सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 304, नई दिल्ली,सोमवार, 27, नवंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

सफलता की खुशी मनाना अच्छा है,पर उससे भी अधिक जरूरी अपनी असफलता से सीख लेना है।

अगले तीन दिन बारिश-बर्फबारी, रेस्क्यूऑपरेशन में लगे एक अधिकारी और जवान घायल...

एनटीवी, उत्तरकाशी

दिवाली के दिन से उत्तरकाशी की निमार्णाधीन सुरंग में कैद 41 श्रमिक बाहर निकले की उम्मीद लगाए हैं। उन्हें बाहर निकालने की पूरी कोशिशें हो रही हैं लेकिन हर बार मशीन के आगे बाधा आ रही है। रेस्क्यू का आज 15वां दिन है। हैदराबाद से प्लाज्मा कटर लाया गया है।इसके साथ ही बीएसएनएल ने भी फंसे मजदूरों तक लैंडलाइन की सुविधा दे दी है।यहां पढ़ें हर पल का

प्लाज्मा मशीन फायदेमंदः क्रिस कूपर

माइक्रो टनलिंग विशेषज्ञ क्रिस कूपर ने बताया कि प्लाज्मा मशीन से हम अभी भी बरमा काट रहे हैं। इसे काटने के लिए बरमा से लगभग 16 मीटर अधिक है। यह प्लाज्मा मशीन फायदेमंद है क्योंकि यह स्टील को तेजी से काट देगा।

टनल विशेषज्ञ अर्नोल्ड ने बताया- अब क्या है योजना

अंतर्राष्ट्रीय टनल विशेषज्ञ, अर्नोल्ड डिक्स ने कहा कि बरमा मशीन विफल हो गई, और हमें पाइप से बरमा निकालने में कई तकनीकी कठिनाइयाँ हो रही हैं। इसे काटने की प्रक्रिया आज सुबह बहुत तेजी से चल रही है। प्लाज्मा कटर आ गए हैं। बचाव कार्य में लगे लोग प्लाज्मा कटर के साथ एक पाइप में अंदर जा रहे हैं और इसके टुकड़े-टुकड़े कर रहे हैं। एक बार, हमें बरमा मिल गया है। फिर हम अंदर जा सकते हैं। पाइप पर एक नजर डाल देख सकते हैं कि वह किस स्थिति में है। और फिर हम आकलन कर सकते हैं कि आगे क्या होगा।

बीआरओ के एक अधिकारी के वाहन की बस से भिड़ंत

सिलक्यारा रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे बीआरओ के एक अधिकारी के वाहन की बस से भिड़ंत हो गई। हादसे में अधिकारी सहित एक जवान घायल हो गए। घायल बीआरओ के कमांडर आरएस राव और

जवान को प्राथमिक उपचार दिया गया।

रेस्क्यू अभियान में मौसम बनेगा अब बड़ी चुनौती

उत्तरकाशी में जारी रेस्क्यू अभियान में अब बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग व पिथौरागढ़ समेत कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। ऐसे में सिलक्यारा टनल में चल रहे राहत कार्यों पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा।

सीएम धामी बोले- तेजी से काम जारी

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हैदराबाद से लाई गई प्लाज्मा मशीन ने सुबह से काम करना शुरू कर दिया है। तेजी से कटाई चल रही है। 14 मीटर और कटना बाकी है। बरमा मशीन को काटकर बाहर लाना है। ऐसा लगता है कि यह जल्द ही पूरा हो जाएगा। कुछ ही घंटों में। उसके बाद मैनुअल ड्रिलिंग शुरू हो जाएगी।

सुरंग में फंसे टनकपुर के श्रमिक ऐरी के परिवार से मिलने पहुंचे सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी टनकपुर के श्रमिक पुष्कर सिंह ऐरी के परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे। एरी सिल्कयारा टनल में फंसे 41 मजदूरों में से एक हैं। उन्होंने परिवार के लोगों को आश्वासन दिलाया कि एरी सुरक्षित बाहर आएंगे।

रेस्क्यू उपकरणों को लेकर देहरादून एयरपोर्ट पहुंची इंडिगो की विशेष फ्लाइट

सिलक्यारा ऑपरेशन के लिए रेस्क्यू उपकरणों को लेकर रात 12:00 बजे इंडिगो की विशेष फ्लाइट देहरादून एयरपोर्ट पहुंची। सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों को निकालने की कोशिशों में अड़चनें आने के बाद नए सिरे से रेस्क्यू शुरू किया जा रहा है। जिसके लिए सिलक्यारा में रेस्क्यू उपकरण भिजवाने का कार्य तेज कर दिया गया है। इसके लिए देहरादून एयरपोर्ट पर एक बार फिर हलचले तेज हो गई हैं। इन उपकरणों को पहुंचाने के लिए सेना और दूसरे विमान फिर से आने लगे हैं।

टूटने लगा परिजनों के सब्र का बांध

हकीकत में कब तक निकाला जाएगा, यह पता नहीं है। पिछले तीन दिन से सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान अंतिम चरण बताया जा रहा था, लेकिन अब यह खिंचता जा रहा है। इससे अब अंदर फंसे मजदूरों के परिजनों के सब्र का बांध भी टूटने लगा है। सुरंग में फंसे बिहार के बांका जिले के रहने वाले वीरेंद्र किसकू की भाभी सुनीता ने बताया कि वह पिछले तीन दिन से सुन रहे कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने वाला है, आज उन्हें निकाल लिया जाएगा, लेकिन रेस्क्यू पूरा ही नहीं हो रहा है। इससे सुरंग के अंदर फंसा उनका देवर भी निराश है। झारखंड के ग्राम केशोडीह निवासी विश्वजीत कुमार के भाई इंद्रजीत भी सुरंग के बाहर अपने भाई का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि हर दिन उम्मीद बंधती है कि आज अंदर फंसे सभी लोग बाहर आ जाएंगे, लेकिन फिर शाम होते-होते यह उम्मीद टूट जाती है। परिजनों के सब्र का बांध भी टूटा बोले-पता नहीं कब निकाल पाएंगे सिलक्यारा सुरंग में 41 मजदूरों को फंसे 14 दिन हो गए हैं। अब परिजनों के सब्र का बांध भी टूटने लगा है। शनिवार को सुरंग के अंदर फंसे अपनों से बात कर निकले परिजनों ने कहा, वह हर दिन इसी उम्मीद में रहते हैं कि आज सभी को सुरंग से बाहर निकाल लिया जाएगा, लेकिन रोज उम्मीद टूट जाती है। बरमा भी कई मीटर तक अंदर फंसा इस अड़चन से मशीन का बरमा भी कई मीटर तक अंदर फंस गया है। जिसके चलते ड्रिलिंग मशीन से मजदूरों को बाहर निकालने के लिए एस्केप पैसेज तैयार करने का कार्य बाधित हो गया। इस खबर को सुनकर जल्द रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने की आशा में उत्साहित केंद्र व राज्य के अफसरों के चेहरे उतरे गए। मीडियाकर्मियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन से जुड़े अधिकारियों से जानकारी मांगी तो किसी ने भी बात नहीं की। हालांकि, टनल एक्सपर्ट परीक्षित मेहरा ने बताया कि ऑगर मशीन के बरमे को बाहर निकालने का काम किया जा रहा है

संक्षिप्त खबरें

मुरादाबाद में स्पेशल ट्रेन को रोकने पर यात्रियों का हंगामा, पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन का असर

मुरादाबाद । मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों को रद्द करने से यात्रियों का गुस्सा भड़क उठा। उन्होंने स्टेशन पर हंगामा काटा। अधिकारियों ने बताया कि पंजाब में किसानों के आंदोलन के कारण ट्रेनों को रास्ते में ही रोकना पड़ा है। सभी लोगों को रिफंड करवाया जा रहा है।

पंजाब में रेलवे ट्रैक पर किसानों के आने के कारण मुरादाबाद मंडल में भी ट्रेनों का संचालन बाधित हुआ। शनिवार को मुरादाबाद में जनसेवा, जम्मू तवी सुपरफास्ट और एक स्पेशल ट्रेन को रोका गया, जिससे रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ जुट गई। अचानक ट्रेन रुकने की वजह से यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर जीआरपी, आरपीएफ रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हंगामे को देखते हुए टिकट के रिफंड के लिए काउंटर खोल दिए गए। इसके बाद ही यात्री शांत हुए और अन्य वाहनों से आगे के लिए रवाना हुए। बिहार के बनमंखी और अमृतसर के बीच चल रहने वाली जनसेवा(14617) शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंची। यहां आकर यात्रियों को पता चला कि ट्रेन आगे नहीं जाएगी, जिससे तमाम यात्री परेशान हो गए। वह ट्रेन से उतरकर टीटीई कक्ष में पहुंच गए। उन्होंने ट्रेन के आगे नहीं जाने का कारण पूछा। तब उन्हें बताया गया कि पंजाब में किसान आंदोलन कर रहे हैं, जिस कारण ट्रेन रोकी गई है।

अमृतसर जा रहे विजय सिंह ने बताया कि रेलवे ने पहले से इसकी जानकारी नहीं दी थी। मुरादाबाद पहुंचने पर उन्हें बताया गया है। सभी यात्रियों को समझाकर शांत कराया गया। इसके बाद गोरखपुर से अमृतसर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन (05005) 10 बजकर 46 बजे मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पहुंची। उसे भी रोक दिया गया। इसके बाद ट्रेन आगे नहीं गई। यात्रियों को बताया गया कि ट्रेन यहां से वापस जाएगी। यात्रियों ने रेलवे स्टेशन पर हंगामा किया।

पंजाब में किसान आंदोलन का असर, दूसरे दिन भी प्रभावित रहा ट्रेनों का संचालन, सुपर और गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस

मेरठ,पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन के चलते रेल संचालन दूसरे दिन भी प्रभावित रहा। सुपर और गोल्डन टेंपल को एक्सप्रेस रद्द कर दिया गया है।

पंजाब में किसान आंदोलन के चलते दूसरे दिन भी रेल संचालन प्रभावित रहा। दिल्ली से जालंधर के बीच चलने वाली जालंधर इंटरसिटी सुपर एक्सप्रेस शनिवार को भी रद्द रही, जबकि मुंबई सेंट्रल से अमृतसर जाने वाली गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस अमृतसर दिल्ली के बीच रद्द कर दी गई।

इस ट्रेन को शनिवार को नई दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर ही रोक दिया गया। आगे अमृतसर तक ट्रेन का संचालन नहीं हुआ। वापसी में ट्रेन निजामुद्दीन से ही मुंबई सेंट्रल वापस लौट गई। ट्रेन को अमृतसर दिल्ली के बीच रद्द रखा गया। जिससे मेरठ के यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। जिन यात्रियों का आरक्षित टिकट मेरठ से था, उन्हें यात्रा के लिए अन्य ट्रेनों से नई दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर पहुंचना पड़ा। उधर, पुरी से चलकर ऋषिकेश जाने वाली कलिंग उत्कल एक्सप्रेस 8 घंटा देरी से मेरठ में पहुंची। लखनऊ में स्टेशन पर कार्य चलने के कारण नौचंदी एक्सप्रेस भी अपने निर्धारित समय से साढे तीन घंटा देरी से मेरठ पहुंची। ट्रेनों के लेट होने और रद्द होने के कारण यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

बाइक टकराने से हाईवे पर गिरा युवक, पीछे से आ रहे ट्रक से कुचलकर मौत

बदायूं

मुरादाबाद-फरुर्खाबाद हाईवे पर रविवार सुबह दर्दनाक हुआ। दो बाइकों की टक्कर से एक युवक हाईवे पर गिर गया, तभी पीछे से आए ट्रक ने उसे कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। बदायूं के वजीरगंज थाना क्षेत्र में मुरादाबाद-फरुर्खाबाद हाईवे पर रेहड़िया के नजदीक रविवार सुबह दो बाइक आमने-सामने से टकरा गईं, जिसमें एक बाइक सवार खाई में जा गिरा और दूसरा सड़क पर। उसी दौरान हाईवे से गुजर रहे ट्रक ने सड़क पर गिरे युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव बाबट निवासी विपिन कुमार (35) वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव सहावर खेड़ा में रहकर डीजे और जनरेटर आदि किराये पर उठाकर अपने

परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। वह रविवार सुबह करीब 11 बजे बाइक से बिसौली की ओर जा रहा था। तभी रेहड़िया के नजदीकह हादसा हो गया, जिसमें विपिन कुमार की जान चली गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस ने ट्रक कब्जे में ले लिया है। उसका चालक भी पकड़ लिया है। दूसरा बाइक सवार मौके से भाग गया।

ककोड़ा मेला से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत कादरचौक बदायूं रोड पर शनिवार रात ग्राम असरासी के नजदीक अज्ञात वाहन की टक्कर से करीब 35 वर्षीय अरुण गुप्ता की मौत हो गई। अरुण गुप्ता शहर के मोहल्ला नई सराय के रहने वाले थे। वह भगवान के कपड़े सिल कर बेचते थे। शनिवार शाम अकेले बाइक लेकर ककोड़ा मेला गए थे। मेला से देर रात घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में अज्ञात वाहन की टक्कर लग गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया है।

मजदूरों का दर्द देखकर केरल से सिलक्यारा पहुंच गए समीर, इस तरह कर रहे मदद

एनटीवी, उत्तरकाशी

सिलक्यारा,सुरंग में फंसे मजदूरों का दर्द केरल के समीर करिम्बा को सिलक्यारा खींच लाया। समीर मजदूरों को बाहर निकालने के लिए चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में हाथ बंटाना चाहते हैं। लेकिन तकनीकी जानकारी और बाध्यताओं के चलते ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि वह यहां तैनात आईटीबीपी व पुलिस के जवानों के लिए अलाव की व्यवस्था करने में सहायता कर रहे हैं। केरल के पलक्कड़ निवासी 41 वर्षीय समीर करिम्बा एक रेस्क्यूअर (बचावकर्मी) व पर्वतारोही के तौर पर पहचान रखते हैं। जो कि सड़क दुर्घटनाओं से लेकर अन्य हादसों में पीड़ितों की मदद के लिए विभिन्न राज्यों में पहुंच जाते हैं।

सिलक्यारा पहुंचे समीर ने बताया

कि मुंबई निवासी हर्षा कोटेजा उन्हें इस कार्य के लिए आर्थिक मदद करती हैं। उन्होंने ही उन्हें उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में 41 मजदूरों के फंसने की सूचना दी। जिस पर वह बीते मंगलवार को सिलक्यारा पहुंचे।

समीर ने बताया कि वह सुरंग के अंदर जाकर रेस्क्यू कार्य में मदद करना चाहते थे, लेकिन तकनीकी जानकारी न होने ऐसा नहीं कर सकते हैं। फिर भी वह यहां सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस व आईटीबीपी के जवानों के लिए अलाव जलाने की व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं।

समीर ने कहा कि जब तक सुरंग में फंसे मजदूर बाहर नहीं निकाले जाएंगे वह यहां रहकर हर तरह की सेवा करेंगे।

समीर करिम्बा मुस्लिम समुदाय से तालुक रखते हैं। वह अपने धर्म के लोगों से सुरंग में फंसे मजदूरों की सलामती के लिए मस्जिदों में दुआएं करने की लगातार अपील कर रहे हैं।

इसके लिए उन्होंने सिलक्यारा से वीडियो मैसेज रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया के जरिए परिचितों को भेजा है। साथ ही अपने एक हिंदू मित्र की मदद से सभी 41 श्रमिकों की सलामती के लिए मंदिर में 41 श्रीफल भी चढ़वाए हैं।

मिर्जापुर में शादी से लौट रहे कार सवार चार लोगों की मौत, दो की हालत गंभीर...

मिर्जापुर

सड़क हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। कार सवार दो लोग घायल हो गए। जिनका ट्रामा सेंटर बीएचयू वाराणसी में इलाज चल रहा है। कार सवार वाराणसी में शादी में शामिल होकर सोनभद्र जा रहे थे। उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर से एक सड़क हादसे की खबर आ रही है। अदलहाट थाना क्षेत्र अन्तर्गत सिकिया स्थित पेट्रोल पंप के पास शनिवार की रात साढ़े ग्यारह बजे ट्रेलर ने कार में टक्कर मार दी। हादसे

में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। जिनका ट्रामा सेंटर बीएचयू वाराणसी में इलाज चल रहा है।

कार सवार वाराणसी में शादी में शामिल होकर सोनभद्र जा रहे थे। कार में चार महिलाएं, एक 12 वर्ष का बालक, एक दो वर्ष का बच्चा व एक पुरुष चालक सवार थे। यह सभी लोग वाराणसी एक शादी समारोह से वापस अपने घर सोनभद्र के राबर्ट्सगंज उमोर्डा जा रहे थे। अदलहाट थाना क्षेत्र के तेंडुआ वीर मंदिर के पास अंकित हॉस्पिटल के सामने राबर्टसगंज की तरफ से आ रही ट्रेलर से टक्कर हो गई।

हादसे में सभी लोग घायल हो गए। सूचना पर अदलहाट पुलिस मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय रामनगर वाराणसी भेज दिया। जहां डाक्टरों द्वारा सभी घायलों को उचित इलाज के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया । जहां इलाज के दौरान शकीला बानो (56) पत्नी सरफराज निवासी ब्रह्म नगर थाना रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र, हुस्न आरा (40) पत्नी स्व. दिलशाद निवासी ओबरा सोनभद्र, समिता परवीन (35) पत्नी राशिद जमाल निवासी उर्मोड़ा थाना रॉबर्ट्ससगंज व दिलशान बख्तियार (12) पुत्र स्वर्गीय दिलशाद की मौत हो गई। अन्य का इलाज चल रहा है।

नैनीताल में बड़ा सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरी अनियंत्रित कार, 5 लोगों की मौत

एनटीवी

उत्तराखंड : के नैनीताल में एक कार सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई. कोटाबाग इलाके के देवीपुरा-सौर मार्ग एक कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी. कार हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई. पुलिस मृतकों की शिनाख्त करने में जुटी हुई है. हादसा शुक्रवार की रात का बताया जा रहा है.

SDRF ने शवों को बाहर निकाला

जिलाधिकारी वंदना सिंह ने कहा कि कोटाबाग ब्लाक के देवीपुरा-सौड़ रोड में शुक्रवार देर रात सैलानियों से भरी कार के गहरी खाई में गिर गई. हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत की हो गई. हादसे की खबर शनिवार की

दोपहर सवा दो बजे प्रशासन को मिली. जिसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटना स्थल पहुंचे. ग्रामीणों की मदद से मौके पर रैस्क्यू अभियान शुरू कर दिया. शवों की शिनाख्त करने में जुटी पुलिस उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा शवों की पहचान किया जाना अभी बाकी है. उन्होंने कहा कि मृतकों के राष्ट्रीय राजधानी से होने की संभावना है क्योंकि कार पर दिल्ली का पंजीकरण नंबर है.

अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलने पर कालाढूंगी पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (रुद्रपुर) की टीम मौके पर पहुंची और शवों को बरामद किया. बारिश की वजह से खराब हुई थी सड़क जिलाधिकारी ने कहा कि जिस सड़क पर हादसा हुआ है वह बारिश के मौसम में क्षतिग्रस्त हो गई थी. इस सड़क का निर्माण प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (PMGSY) के तहत किया गया था. उन्होंने बताया कि अभी हादसे का कारण पता नहीं चला है. उन्होंने कहा कि सड़क सुधार के लिए 9.89 लाख और 3.64 लाख की धनराशि स्वीकृत हुई है. सड़क ठीक कराने के निर्देश विभाग को दिए गए हैं

मनाली से अटल टनल जा रहे पर्यटकों की कार में लगी आग

धू-धू कर जली, बाल-बाल बची जान...

कुल्लू

मनाली से अटल टनल रोहतांग की ओर जा रही एक कार में सोलंगनाला से कुछ दूरी पर अचानक आग लग गई। कार में सवार नई दिल्ली के पर्यटक अटल टनल रोहतांग की ओर जा रहे थे।

कार में एक बच्चे समेत पांच पर्यटक सवार थे।

आग लगते ही कार में सवार पर्यटक जान बचाकर बाहर निकले। सूचना मिलने के बाद दमकल की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। हादसे में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है।

हिमाचल के डूबते पर्यटन कारोबार को व्हाइट क्रिसमस से आस, लुभावने पैकेज देने की तैयारी

> कोरोना के बाद प्राकृतिक आपदा से पर्यटकों ने प्रदेश की वादियों का रुख करना कम कर दिया है।

शिमला

सैलानियों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विकास निगम और निजी होटल संचालक आकर्षक पैकेज जारी करने की तैयारी कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में डूबते पर्यटन कारोबार को अब व्हाइट क्रिसमस से आस है। कोरोना के बाद प्राकृतिक आपदा से पर्यटकों ने प्रदेश की वादियों का रुख करना कम कर दिया है। बाहरी

राज्यों के पर्यटक वाहनों पर लगाए गए दोगुने टैक्स के बाद सैलानियों की संख्या में कमी आई है। पर्यटन कारोबार फिर रफ्तार पकड़ सके, इसके लिए पर्यटन व्यवसायी लुभावने पैकेज देने की तैयारी कर रहे हैं। बर्फबारी हुई तो हिमाचल के पर्यटन कारोबार में उछाल आने की उम्मीद है। क्रिसमस और न्यू ईयर से पहले शिमला, मनाली, धर्मशाला और डलहौजी में धीरे-धीरे होटलों में एडवांस बुकिंग बढ़ने लगी है। कोरोना काल में दो साल प्रदेश में पर्यटन कारोबार बुरी तरह प्रभावित रहा। इस साल बरसात के दौरान भारी बारिश से आई आपदा के कारण सैलानियों ने प्रदेश का रुख करना बंद कर दिया, जिससे पर्यटन कारोबार को भारी नुकसान पहुंचा। प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन कारोबार का करीब 4.3 फीसदी हिस्सा है। प्रदेश का बड़ा वर्ग पर्यटन कारोबार पर निर्भर है। होटल कारोबारी, ट्रैवल एजेंट, टैक्सी ऑपरेटर, गाइड, फोटोग्राफर और हॉर्स राइडर का व्यवसाय सैलानियों पर निर्भर है। सैलानियों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विकास निगम और निजी होटल संचालक आकर्षक पैकेज जारी करने की तैयारी कर रहे हैं।

ये आफर देने की योजना

तीन दिन ठहरने पर एक दिन मुफ्त, एडवांस बुकिंग पर कमरे के किराये में 20 फीसदी छूट, कमरे की बुकिंग पर ब्रेकफॉस्ट फ्री, टूअर पैकेज बुक करने पर फ्री पिकअप और ड्रॉप, साइट सीन बुकिंग पर 30 फीसदी छूट देने की योजना है।

क्या कहते हैं पर्यटन कारोबारी

फेडरेशन ऑफ हिमाचल होटल एंड रेस्टोरेशन एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेंद्र ठाकुर का कहना है कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रदेश में सैलानियों की संख्या घटी है। दिसंबर में क्रिसमस, न्यू ईयर पर बर्फबारी से सैलानियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के महासचिव मनु सूद का कहना है कि क्रिसमस, न्यू ईयर पर सैलानियों के लिए पैकेज जारी करने की तैयारी है। ऑल हिमाचल कॉमर्शियल व्हीकल ज्वाइंट एक्शन कमेटी के चेयरमैन राजेंद्र ठाकुर के अनुसार आपदा से हुए नुकसान के बाद टैक्सी ऑपरेटरों को विंटर सीजन से बड़ी उम्मीदें हैं।

बच्चों को पढ़ाना है संस्कृति का पाठ तो अपनाएं ये तरीके

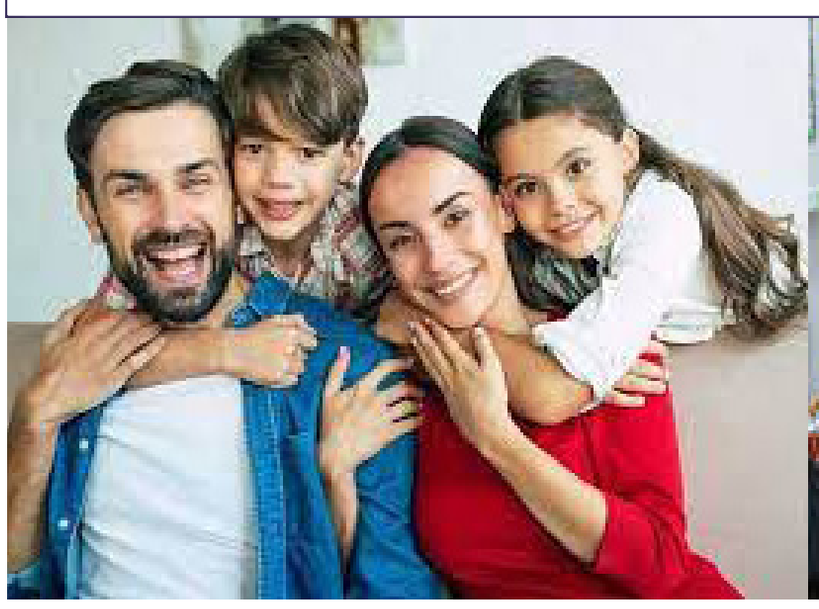

एनटीवी

बच्चों को अपनी सांस्कृतिक विरासत और उत्सवों के बारे में जानकारी देना आपकी जिम्मेदारी है इसलिए जरूरी है कि आप उन्हें अनुष्ठानों और समारोहों से परिचित कराएं। त्योहार लोगों को एक साथ लाते हैं और समाज में अपनेपन की भावना पैदा करते हैं। खासकर बच्चे तो बड़ों से ज्यादा त्योहारों का लुत्फ उठाते हैं लेकिन आजकल बच्चों की उत्सुकता और ऊर्जा सिर्फ टेक्नोलॉजी में जाया हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि माता-पिता अपने बच्चों को उत्सवों से जोड़ें और उनके महत्व बताएं, ताकि अपनी परंपराओं के प्रति उनकी खुशी एवं उत्साह बरकरार रहे। चूंकि बच्चे हर चीज के बारे में जिज्ञासु होते हैं, लिहाजा त्योहारों और उनमें छिपी परंपराओं के बारे में जानना उन्हें रोमांचक भी लगेगा। इसके लिए कुछ आसान तरीके भी हैं।

साफ-सफाई में भागीदारी

जब भी कोई अनुष्ठान, पर्व या उत्सव आता है तो आप घर की साफ-सफाई और सजावट में जुट जाती हैं। इस काम में बच्चों को भी शामिल करें, जिससे उनके मन में भी उत्सवों, अनुष्ठानों के आने की खुशी बनी रहे। बच्चों से छोटे-मोटे काम करने को कहें। आप उनसे कूड़ा-कचरा उठाकर कूड़ेदान में डालने, फर्नीचर की झाड़-पोंछ करने जैसे काम करा सकती हैं। इससे उनमें काम करने की आदत भी पडेगी।

पकवान बनाने में सहयोग

त्योहार आने पर सभी घरों में पकवान बनाए जाते हैं। आप इस काम में भी बच्चों की मदद ले सकती हैं और छोटे-छोटे काम कराकर उन्हें जिम्मेदारी का अहसास करा सकती हैं कि त्योहारों पर उन्हें भी काम करना है। इससे उनमें बचपन से ही साथ में काम करने की भावना पैदा होगी। बच्चे साथ में पकवान बनाएंगे तो उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे त्योहार का दुगुना मजा उठाएंगे।

रचनात्मकता जरूरी

बच्चों को अपनी संस्कृति के बारे में जानकारी दें। त्योहार या समारोह के दौरान उन्हें पारंपरिक पोशाक पहना कर, सजावट और पकवान बनाने में मदद लेकर और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी परंपराओं की जानकारी दें, जिससे वे बचपन से ही अपनी संस्कृति को जान सकें और उत्सवों का मजा ले सकें।

कहानियां और फिल्में

हर त्योहार के पीछे कोई न कोई कहानी होती है, जो हमें सकारात्मक संदेश देती है। इसलिए समय-समय पर आप बच्चों को अपने त्योहारों और परंपराओं की जानकारी किताबों द्वारा या फिल्में दिखाकर भी दे सकती हैं। जब आप बच्चे को कुछ रीति-रिवाजों के बारे में समझाती हैं तो वे उसे उबाऊ और बोर लगते हैं। वह आपकी बातों पर ध्यान नहीं देता इसलिए त्योहारों के बारे में कहानी सुनाकर, पढ़कर या फिर उस विषय पर बनी कोई फिल्म दिखाकर आप जानकारी को उसके लिए रुचिकर बना सकती हैं, ताकि वह उत्साहित होकर अपनी संस्कृति के बारे में जानकारी हासिल करे।

मेल-मिलाप की भावना

अगर आप अपने बच्चों को त्योहारों से जोड़ेंगी तो उनमें मेल-मिलाप की भावना बढेगी। आज बच्चे भी अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में मिल-जुल कर त्योहार मनाने से उनका अकेलापन दूर होगा। अपने बच्चे को त्योहारों पर रिश्तेदारों, परिचितों और पड़ोसियों के घर जरूर लेकर जाएं, ताकि वह सबसे घुले-मिले और त्योहारों को मिल-जुल कर मनाना सीखे।

हमेशा प्रोत्साहन

आजकल स्कूलों में भी बहुत से त्योहार मनाए जाते हैं। ऐसे में आप बच्चों को उनमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे उनमें उत्साह पैदा हो। आप बच्चे को त्योहार से जुड़ी कविता या भाषण भी तैयार करा सकती हैं। जब बच्चा मंच पर त्योहार से संबंधित कविता या भाषण बोलेगा तो उसे अच्छा भी लगेगा और साथ में अपने उत्सवों के बारे में जानकारी भी हासिल हो जाएगी।

शरीर में बढ़ाना चाहते हैं हीमोग्लोबिन का स्तर, तो रोजाना पिएं आयरन से भरपूर ये 5 तरह के ड्रिंक्स

एनटीवी

शरीर में आयरन की कमी से कमजोरी, थकान और सुस्ती का सामना करना पड़ता है। जब शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में कमी होने लगती हैं, तो आयरन की कमी होती है। इससे आप एनीमिया के शिकार हो सकते हैं। आयरन की कमी से शरीर के अन्य अंग भी प्रभावित होते हैं। इसलिए जरूरी है कि शरीर में खून की कमी दूर करने के लिए आप अपनी डाइट का खास ख्याल रखें। आज आपको इस आर्टिकल में कुछ ऐसे ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें पीने से शरीर में आयरन की कमी दूर हो सकती है।

आंवला का जूस

आंवला सेहत का खजाना है, इसे सर्दियों के मौसम का सुपरफूड कहा जाता है। विटामिन-सी से भरपूर आंवला को इम्युनिटी बूस्टर के रूप में भी जाना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं, एनिमिया के मरीजों के लिए आंवला दवा के रूप में काम करता है। शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण के लिए आप रोजाना आंवला का जूस पी सकते हैं। हालांकि इसका स्वाद थोड़ा तीखा लगेगा, लेकिन इस जूस को पीने से आपकी सेहत अच्छी रहेगी।

गन्ने का रस

गन्ने के रस का न केवल मीठा स्वाद होता है, बल्कि यह आयरन और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। एनीमिया के मरीजों की डाइट में गन्ने का रस शामिल कर सकते हैं। इसे पीने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और कमजोरी दूर होती है।

चुकंदर का जूस

चुकंदर सेहत के लिए सबसे हेल्दी फूड आइटम्स में से एक माना जाता है। इसमें फाइबर की मात्रा पर्याप्त होती है, जो पाचन के लिए सहायक है। अगर आपके शरीर में खून की कमी है, तो चुकंदर का जूस आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

सत्तू का शर्बत

भुने हुए चने से सत्तू तैयार किया जाता है। इस सत्तू से हेल्दी और स्वादिष्ट ड्रिंक बनाई जाती है। इसे बनाने के लिए आप नींबू का रस और कुछ मसालों का भी उपयोग कर सकते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन और कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जात हैं। इस ड्रिंक को पीने से शरीर में आयरन की पूर्ति होती है और आप एनीमिया की समस्या से बच सकते हैं।

अनार का रस

अनार सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस फल में आयरन और विटामिन-सी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। अनार का जूस पीने से शरीर में हीमोग्लोबिन बनने में सहायता मिलती है साथ ही शरीर की कई समस्याएं भी दूर होती हैं।

ठंड में फ्रिजी हेयर की प्रॉब्लम से ना हों परेशान, ऐसे करें मैनेज

एनटीवी

ठंड के दिनों में हेयर वॉश के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करना बेहद ही आम बात है। लेकिन ऐसा करने से आपके बालों का प्राकृतिक तेल छिन जाता है, जिससे फ्रिजीनेस की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए, गर्म पानी की जगह गुनगुने पानी से बालों को धोएं।

ठंड के मौसम में हर किसी को फ्रिजी हेयर की समस्या से दो-चार होना पड़ता है। दरअसल, इस मौसम में हवा बहुत ठंडी होती है और उसमें नमी की कमी होती है। ऐसे में बालों की नमी भी कहीं पर खो जाती है और वे फ्रिजी हो जाते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आपके बाल अनहेल्दी है। बस आपको उन्हें मैनेज करने के लिए उनके मॉइश्चर लेवल का ध्यान रखना होगा। ठंड के मौसम में फ्रिजी हेयर को हैंडल करना काफी मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर आप कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं तो इससे फ्रिजी हेयर की प्रॉब्लम को आसानी से सुलझाया जा सकता है- इस मौसम में बालों में फ्रिजीनेस की मुख्य वजह उनमें मॉइश्चर की कमी होती है। ऐसे में अगर बालों की डीप कंडीशनिंग की जाए तो इससे हाइड्रेशन लेवल को बनाए रखने में मदद मिलती है। इससे आप फ्रिज की समस्या से भी छुटकारा पा सकती हैं।

अपने बालों को हाइड्रेटेड रखने के लिए मॉइस्चराइजिंग शैम्पू और कंडीशनर का उपयोग करें। साथ ही साथ, सप्ताह में एक बार डीप कंडीशनिंग जरूर करें।

ठंड के दिनों में हेयर वॉश के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करना बेहद ही आम बात है। लेकिन ऐसा करने से आपके बालों का प्राकृतिक तेल छिन जाता है, जिससे फ्रिजीनेस की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए, गर्म पानी की जगह गुनगुने पानी से बालों को धोएं।

बालों को ठंडी हवा से करें प्रोटेक्ट

सर्दी के दिनों में अगर आप घर से बाहर निकल रहे हैं तो ऐसे में अपने बालों को ठंडी हवाओं से प्रोटेक्ट करने की कोशिश करें। बेहतर होगा कि आप बाहर निकलने से पहले टोपी या स्कार्फ पहनें। इससे आपके बाल बहुत अधिक फ्रिजी व अनमैनेजेबल नहीं होंगे।

हीट स्टाइलिंग टूल को करें अवॉयड

जहां तक संभव हो, आपको ठंड के दिनों में हीट स्टाइलिंग टूल का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। ये टूल्स जैसे फ्लैट आयरन और कर्लिंग आयरन आदि आपके बालों की नमी को छीन लेते हैं और उन्हें फ्रिजी बना देते हैं। यदि आपको उनका उपयोग करना ही है, तो पहले हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे लगाएं।

ट्रेडिशनल हो या वेस्टर्न, लुक में स्टाइल एड करने के लिए आउटफिट्स के हिसाब से चुनें हैंडबैग्स

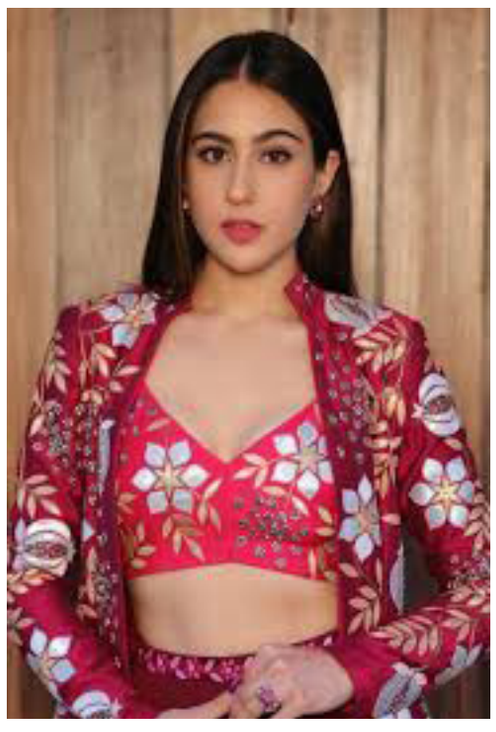

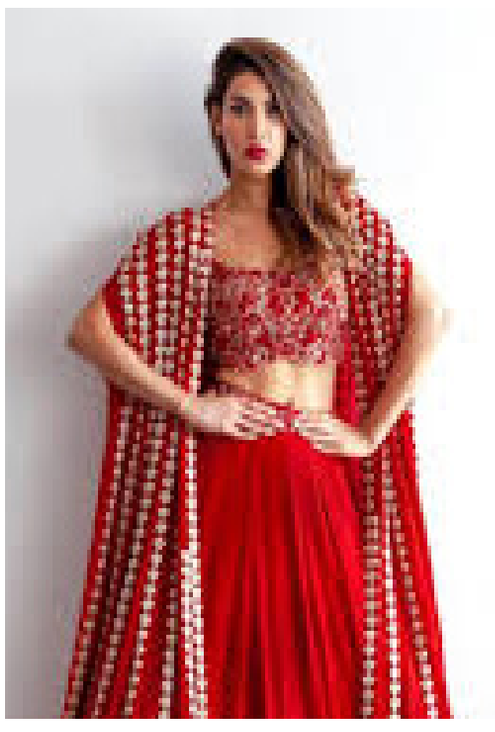

एनटीवी

चाहें आप ट्रेडिशनल कपडे पहन रहे हों या वेस्टर्न, अगर आपको इसमें स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक चाहिए, तो सही एक्सेसरीज का चुनाव है बहुत जरूरी। एक्सेसरीज में सिर्फ ज्वैलरी ही नहीं आती, बल्कि फुटवेयर्स, घड़ी, बेल्ट और बैग्स जैसी और भी कई चीजें शामिल हैं। इनमें से सबसे कम ध्यान बैग्स पर जाता है। ड्रेस के साथ सही बैग्स कैरी कर आप मिनटों में बदल सकती हैं अपना लुक। रोपेरो की एड मिस अर्पिता कटयाल ने हमें बताया कि किस तरह के कपड़ों के साथ किस तरह के बैग्स जंचेंगे। जान लें आप भी इसके बारे में।

पोटली बैग

पोटली बैग ट्रेडिशनल वेयर्स के साथ कैरी करने के लिए बेस्ट होते हैं। मार्केट में अलग-अलग डिजाइन और कलर्स के पोटली बैग्स अवेलेबल हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद के हिसाब से चुन सकती हैं। शादी, फेस्टिवल में लहंगा पहनने वाली हैं, सूट या फिर साड़ी इनके साथ मैचिंग कलर का पोटली बैग कैरी करें। जो दिखने में तो खूबसूरत लगता ही है साथ ही जरूरत का छोटा-मोटा सामान भी इसमें रखा जा सकता है।

क्लच

ऑफिस पार्टी हो या कोई फॉर्मल मीटिंग, इसके साथ छोटा सा क्लच कैरी करें। ये हाथों में पकड़ने के लिए कुछ इस तरह से डिजाइन किए गए हैं कि देखने में क्लासी लगते हैं। फॉर्मल वेयर्स के साथ क्लच का कॉम्बिनेशन है एकदम बेस्ट।

हैंडबैग

हैंडबैग सबसे सेफ एंड बेस्ट ऑप्शन माने जाते हैं और महिलाओं के वॉर्डरोब में सबसे ज्यादा इसी की वैराइटी शामिल होती है। कलर्स, डिजाइन के साथ ये कई तरह के शेप में भी आते हैं, जिन्हें आप अपनी जरूरत और पसंद के हिसाब से चुन सकती हैं। सबसे अच्छी बात कि इन्हें आप ट्रेडिशन से लेकर वेस्टर्न हर तरह के ऑउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं।

टोट बैग्स

डे आउटिंग का प्लान है, जहां आप बहुत हैवी बैग नहीं कैरी करना चाहती, तो इसके लिए टोट बैग्स हैं परफेक्ट ऑप्शन्स। ये कैजुअल लुक्स के साथ ज्यादा जंचते हैं।

स्लिंग बैग

स्लिंग बैग्स को ऐसी जगहों पर कैरी करें जहां आपको बहुत ज्यादा सामान नहीं कैरी करना है। क्रॉसबॉडी स्लिंग बैग्स हाथों को एकदम फ्री रखती है, जो एक अलग ही तरह का रिलीफ है।

अस्पताल में आधे शिशुओं को पहले घंटे में नहीं मिलता मां का दूध, मासूमों के लिए वैक्सीन का करता है काम

● इसमें भी बच्चा पैदा होने के एक-दो घंटे बाद बच्चे को मां के पेट पर रखा जाता है। जबकि बच्चा पैदा होते ही काफी सक्रिय होता है और उसे तुरंत मां के पेट पर रखना चाहिए।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर देश के अस्पतालों में जन्म ले रहे आधे नवजातों को पहले घंटे में मां का दूध नहीं मिल पाता। यह दूध बच्चे के लिए वैक्सीन का काम करता है। जो बच्चे को कई तरह के रोग से सुरक्षित रखता है। देश के अस्पतालों में जन्म ले रहे आधे नवजातों को पहले घंटे में मां का दूध नहीं मिल पाता। यह दूध बच्चे के लिए वैक्सीन का काम करता है। जो बच्चे को कई तरह के रोग से सुरक्षित रखता है। साथ ही उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। डिलीवरी के बाद स्तनपान करवाने से महिला में बच्चेदानी का मुंह बंद होता है। वहीं खून के रिसाव में भी कमी आती है। समस्या की रोकथाम के लिए बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू करने की तैयारी की जा रही है। शनिवार से लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में शुरू हुए नेशनल एसोसिएशन फॉर प्रिवेंटिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया (नारची) के 29वें वार्षिक सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (बाल पोषण) की उपायुक्त डॉ. जोया अली रिजवी ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े का जिक्र किया। इसमें बताया कि देश में करीब 80 फीसदी नवजात का जन्म अस्पतालों में होता है और करीब 40 फीसदी बच्चों को पहले एक घंटे में मां का दूध नहीं मिल पाता। वहीं, नारचीकॉन 2023 की चेयरपर्सन व लेडी हार्डिंग अस्पताल में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डॉ. मंजू पुरी ने कहा कि अभी अस्पताल में ऐसी व्यवस्था ही नहीं है कि बच्चा पैदा होते ही उसको मां के पास लाया जाए। देखा गया है कि बच्चे के जन्म के बाद दूसरे काम

किए जाते हैं। पिछले कुछ सालों में सर्जरी से बच्चा पैदा करने की स्थिति बढ़ गई है। इसमें भी बच्चा पैदा होने के एक-दो घंटे बाद बच्चे को मां के पेट पर रखा जाता है। जबकि बच्चा पैदा होते ही काफी सक्रिय होता है और उसे तुरंत मां के पेट पर रखना चाहिए। इससे मां की बच्चेदानी का मुंह सिकुड़ता है और खून का रिसाव भी कम होता है। एनीमिया की समस्या को नियमित देखभाल से दूर किया जा सकता है। लेडी हार्डिंग अस्पताल ने इसे लेकर एक अध्ययन किया। इसमें 18 माह तक अस्पताल में आने वाली महिलाओं की जांच की गई और एनीमिया की शिकायत पाए जाने पर नियमित दवा व उपचार किया गया। मां का दूध होगा स्टोर जन्म के बाद बच्चे को तुरंत मां दूध उपलब्ध करवाने के लिए मां का दूध स्टोर भी किया जाएगा। केंद्र सरकार इसके लिए विशेष अभियान चल रही है। डॉ. पुरी का कहना है कि कई बार डिलीवरी के बाद बच्चे को मां का दूध दे पाना संभव नहीं होता। ऐसी स्थिति में मां का दूध लेकर सुरक्षित स्टोर किया जा सकता है। लेडी हार्डिंग में इसका केंद्र है और सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है। आशा वर्कर चलाएंगी अभियान दिल्ली को एनीमिया मुक्त बनाने के लिए आशा वर्कर के सहयोग से अभियान चलाया जाएगा। आशा वर्कर हिमोग्लोबिन की जांच करने में प्रशिक्षित होंगी और दिल्ली के सभी 11 जिलों में इस दिशा में काम करेंगी। इस दौरान पहले आशा वर्कर की जांच की गई। उनमें कमी पाए जाने के बाद उनमें सुधार किया गया और उसका फायदा बताया गया। दिल्ली की परिवार कल्याण विभाग निदेशक डॉ. वंदना बग्गा ने कहा कि दिल्ली को एनिमिया मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। बता दें कि पुरुष व महिला के हर वर्ग में 40 से 60 फीसदी तक एनिमिया की शिकायत है।

वृद्धा का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर प्रॉपर्टी पर लिया 90 लाख का लोन, छानबीन शुरू

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर पीड़ित परिवार को सका पता तब चला जब एक निजी बैंक के अधिकारी घर पहुंचे और नोटिस लगाकर मकान को सील करने की कार्रवाई शुरू की। उत्तर पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में एक बुजुर्ग महिला का फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाकर उसके 300 गज के मकान पर 90 लाख का लोन लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार को इसका पता तब चला जब एक निजी बैंक के अधिकारी घर पहुंचे और नोटिस लगाकर मकान को सील करने की कार्रवाई शुरू की। इस मामले में पीड़ित परिवार ने हंसराज, अमरजीत और इनकी पत्नियों निशा और रजनी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। बुजुर्ग ने सब रजिस्ट्रार कार्यालय और बैंक के अधिकारियों पर भी मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शुक्रवार को मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बुजुर्ग राजेश्वरी परिवार के साथ गामड़ी गांव में रहती हैं। इनके परिवार में बेटे राहुल के अलावा तीन बेटियां अंजू, मंजू व रितु हैं। इनके पति बाबूराम की सात मार्च 2010 को मौत हो गई थी। इसके अलावा इनके बड़े बेटे राजकुमार की भी चार फरवरी 2020 को मौत हो चुकी है। परिवार का गली नंबर-25, भजनपुरा में 300 गज का एक मकान है। इस प्रॉपर्टी में तीनों बेटियों के अलावा दो बेटों के परिवार और खुद राजेश्वरी हिस्सेदार हैं। वर्ष 2017 में अचानक एक निजी बैंक के अधिकारी इनकी प्रॉपर्टी को सील करने पहुंच गए। छानबीन में पता चला कि किसी अमरजीत व हंसराज नामक व्यक्तियों ने इनकी प्रॉपर्टी के फर्जी कागजात तैयार कर 90 लाख का लोन ले लिया। इसके लिए, पहले सब रजिस्ट्रार ऑफिस के कर्मचारियों के साथ मिलकर राजेश्वरी का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया गया। प्रॉपर्टी के फर्जी कागजात में उसके बेटे राजकुमार, राहुल व बेटी अंजू को मालिक दिखाकर फर्जी सेल डीड बनवाकर उसे अमरजीत व हंसराज की पत्नियों निशा और रजनी के नाम किया गया। बाद में इसके आधार पर लोन प्राप्त कर लिया गया। लोन लेने के बाद आरोपी गायब हो गए। उन्होंने लोन की किस्त नहीं भरी। लोन न चुकाने पर बैंक अधिकारी मकान को सील करने के लिए पहुंच गए। बुजुर्ग महिला और उनका परिवार अपनी प्रॉपर्टी को बचाने के लिए चक्कर काटते रहे। बैंक ने उनके मकान की एक फ्लोर को सील भी कर दिया। अब इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। रुपये न लौटाने पर युवक को मारी थी गोली कर्ज लेने के बाद उसे वापस न करने के लिए एक व्यक्ति ने खुद पर अपने ही भतीजे से गोली चलवा ली। बाद में उसने पीसीआर कॉल कर दी। सूचना मिलने के बाद उत्तर-पूर्वी दिल्ली की नंद नगरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया। जांच के चंद ही घंटों बाद हकीकत का पता चल गया।

संक्षिप्त खबरें

पिटाई का बदला लेने के लिए युवक को मारी गोली, आरोपी फरार; जांच में जुटी पुलिस

दिल्ली-एनसीआर
दिल्ली के दयालपुर में पिटाई का बदला लेने के लिए एक युवक को गोली मार दी। आरोपी शोएब अपने चाचा के स्क्रैप गोदाम से कुछ बैटरियां चुराने की कोशिश की थी। दिल्ली के दयालपुर में पिटाई का बदला लेने के लिए एक युवक को गोली मार दी। आरोपी शोएब अपने चाचा के स्क्रैप गोदाम से कुछ बैटरियां चुराने की कोशिश की थी। उन्होंने उसे पकड़कर पीटा था। बदला लेने के लिए शोएब ने इमरान को गोली मार दी। इमरान को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी फिलहाल फरार है, पुलिस उसकी तलाश में है। मामले में आगे की जांच जारी है।

कबूलनामा और देसी कट्टे से गोली मारना बने अहम सबूत, एफएसएल की रिपोर्ट भी रही काम की

वहीं तत्कालीन एसीपी भीष्म सिंह के आग्रह के बाद सौम्या विश्वनाथन केस में एक पैरवी अफसर तत्कालीन एसआई ओपी ठाकुर को नियुक्त किया गया था। इंस्पेक्टर ओपी ठाकुर हर सुनवाई में कोर्ट जाते थे। उन्होंने एक भी सुनवाई मिस नहीं की थी। जिगिषा घोष के जांच अधिकारी इंस्पेक्टर अतुल कुमार वर्मा (इस समय एसीपी, बाराखंभा) की तफ्तीश से दोनों हत्याकांड खुले थे। तत्कालीन एसआई जेपी शर्मा ने अहम भूमिका निभाई थी। हम भी भोग रहे आजीवन कारावास फैसले से संतुष्ट नहीं : सौम्या की मां करीब 15 वर्ष की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद शनिवार को पत्रकार सौम्या विश्वनाथन के हत्यारों को सजा मिली है। फैसले के बाद सौम्या की मां माधवी विश्वनाथन खुश हैं, लेकिन संतुष्ट नहीं। उन्होंने कहा कि न्याय पाने की जद्दोजहद में उनका परिवार भी आजीवन कारावास भोग रहा है। दोषियों को सजा सुनाने से समाज में संदेश गया है कि जो ऐसा करेगा उसे बुरे कर्मों की सजा जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो हुआ अच्छा हुआ। हालांकि सजा होने की देरी पर उन्होंने नाखुशी भी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि 15 वर्ष की कानूनी लड़ाई के दौरान वह आजीवन कारावास ही भोग रहे थे। वहीं, सौम्या विश्वनाथन के पिता ने मामले में न्याय होने की बात कही है। अहम है कि 18 अक्तूबर को साकेत कोर्ट ने मामले में आरोपियों को दोषी करार दिया था। इस दौरान सौम्या की मां माधवी ने दोषियों को आजीवन कारावास की सजा देने की मांग की थी।

10 रुपये का लालच देकर नौ साल की बच्ची संग किया घिनौना काम, आरोपी पहले भी कर चुका था गुस्ताखी

दिल्ली-एनसीआर
बेटी ने बताया कि बाजार जाने के दौरान पड़ोस के दर्जी ने उसे 10 रुपये देने के बहाने अपनी दुकान में बुलाया। आरोपी उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। दिल्ली के नारायणा इलाके में 10 रुपये देने के बहाने अपनी दुकान में बुलाकर नौ साल की बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पड़ोस में दर्जी का काम करने वाला आरोपी पहले भी बच्ची के साथ छेड़खानी कर चुका है। आरोपी ने किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी दिया था। बच्ची की काउंसलिंग और मेडिकल करवाने के बाद पुलिस ने उसकी मां की शिकायत पर छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है।

स्थापना दिवस पर बोले केजरीवाल- उतार-चढ़ाव आए, पर हमारे जज्बे और जुनून में नहीं आई कोई कमी

● उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पार्टी के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।आम आदमी पार्टी (आप) की स्थापना के आज 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं। 'आप' पार्टी की स्थापना 26 नवंबर यानी आज ही के दिन 2012 में हुई थी। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पार्टी के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लिखा, 'आज ही के दिन साल 2012 में देश के आम आदमी ने उठकर अपनी खुद की पार्टी ह्यआम आदमी पार्टीह्ण की स्थापना की थी। तब से लेकर आज तक इन 11 साल में बहुत उतार-चढ़ाव आए, बहुत मुश्किलें भी आईं, लेकिन हम सबके जज्बे और जुनून में कोई कमी नहीं आई है। एक छोटी सी पार्टी को आज जनता ने अपने प्यार और आशीर्वाद से एक राष्ट्रीय पार्टी में बदल दिया है, जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे और जनता के लिए काम करते रहेंगे। सभी कार्यकताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारत के इतिहास में पिछले 11 वर्षों में आम आदमी पार्टी को जितना निशाना बनाया गया है, उतना किसी अन्य राजनीतिक दल को नहीं बनाया गया है। 11 साल में हमारे खिलाफ झूठे मुकदमे दाखिल किए गए। देश की सभी एजेंसियों को आम आदमी पार्टी के पीछे लगा दी गई हैं। लेकिन उन्हें आज तक कोई सबूत नहीं मिला। यह हमारी ईमानदारी का सबसे बड़ा प्रमाण पत्र है। मेरा दिल भारी है, यह पहला स्थापना दिवस है जब मनीष सिसौदिया, सत्येन्द्र जैन, संजय सिंह और विजय नायर यहां हमारे साथ नहीं हैं। उन्हें झूठे मामलों के तहत जेल में डाल दिया गया है। भाजपा अन्य दलों के नेताओं को झूठे मामलों के माध्यम से झुकाना जानती है, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि आप के साथ ऐसा कैसे किया जाए। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारा कोई भी विधायक न तो बिका और न ही टूटा।

सफदरजंग अस्पताल की डॉक्टर को पालतू कुत्ते ने काटा, मालिक पर धमकी देने का आरोप, मुकदमा दर्ज

● इससे उनके चेहरे पर काटने के निशान बन गए हैं। महिला चिकित्सक का कहना है कि उनकी हाल ही में शादी होने वाली है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर महिला चिकित्सक का कहना है कि उनकी हाल ही में शादी होने वाली है। ऐसे में वह चेहरे पर हुए दाग से परेशान हैं। मामले में महिला डॉक्टर की शिकायत पर कोतवाली सेक्टर।39 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नोएडा में सेक्टर-46 स्थित गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी में पालतू कुत्ते ने सफदरजंग अस्पताल की महिला डॉक्टर के चहरे पर काट लिया। इससे उनके चेहरे पर काटने के निशान बन गए हैं। महिला चिकित्सक

का कहना है कि उनकी हाल ही में शादी होने वाली है। ऐसे में वह चेहरे पर हुए दाग से परेशान हैं। मामले में महिला डॉक्टर की शिकायत पर कोतवाली सेक्टर।39 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सोसाइटी निवासी सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सक डॉ.अन्विता विनीत ने पुलिस से शिकायत की है कि 20 नवंबर की सुबह फ्लैट की तरफ जा रही थीं। तभी पालतू कुत्ते ने उनके ऊपर हमला कर दिया। कुत्ते के काटने से चेहरे से खून निकलने लगा और धब्बा बन गया है। अस्पताल में इलाज कराया तो चिकित्सकों ने कहा कि एक साल तक चेहरे के धब्बों का इलाज कराना होगा। महिला चिकित्सक का कहना है कि हाल ही उनकी शादी होने वाली है। कुत्ते के काटने से चेहरे पर हुए दाग से वह परेशान हैं। शिकायत के मुताबिक पालतू कुत्ता सोसाइटी में रहने वाले ऋषभ चौधरी का है। कुत्ते का नोएडा प्राधिकरण में रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। कुत्ते के मालिक पर धमकी देने का आरोप महिला चिकित्सक का आरोप है कि कुत्ते का मालिक इस घटना के बाद घर पर आया और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराने की धमकी दी। इसके बाद किसी दूसरे व्यक्ति से फोन करवा कर भी उसने धमकी दिलवाई। इससे पहले कुत्ते के मालिक ने कहा था कि इस घटना में हुए नुकसान का भरपाई वह कर देगा। लेकिन इसके बाद से वह महिला चिकित्सक का फोन नहीं उठा रहा है और व्हाट्सएप मैसेज का जवाब भी नहीं दे रहा है। इलाज में अब तक महिला चिकित्सक के 30 हजार रुपए खर्च हो चुके हैं।

तेज रफ्तार बाइक नहर के पुल पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई

● पुलिस दोनों को अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने अर्नब सरकार (20) को मृत घोषित कर दिया। वहीं इलाज के दौरान कुछ देर बाद दूसरे युवक आयुष मंडावत (20) ने भी दम तोड़ दिया।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआरे हादसे में रात को घूमने निकले बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस दोनों को अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने अर्नब सरकार (20) को मृत घोषित कर दिया। वहीं इलाज के दौरान कुछ देर बाद दूसरे युवक आयुष मंडावत (20) ने भी दम तोड़ दिया। समयपुर बादली इलाके में तेज रफ्तार बाइक नहर के पुल पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे

में रात को घूमने निकले बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस दोनों को अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने अर्नब सरकार (20) को मृत घोषित कर दिया। वहीं इलाज के दौरान कुछ देर बाद दूसरे युवक आयुष मंडावत (20) ने भी दम तोड़ दिया। हादसे के वक्त दोनों ने हेलमेट पहन रखे थे। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक अर्नब पिता मृत्युंजय सरकार समेत परिजनों के साथ द्वारका इलाके के जैन रोड में रहता था। जबकि आयुष दौसा राजस्थान निवासी था। बृहस्पतिवार रात करीब दोनों सुजुकी जिक्सर बाइक से घूमने निकले थे। समयपुर बादली के नहर वाले पुल पर रात करीब एक बजे तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने अर्नब को मृत घोषित कर दिया। जबकि इलाज के दौरान आयुष ने दम तोड़ दिया। बाइक के नंबर के जरिये पुलिस को पता चला कि बाइक मृत्युंजय के नाम पर रजिस्टर्ड है। पुलिस के संपर्क करने पर मृत्युंजय कहा कि बेटे अर्नब के बाइक चलाने की बात कही। पुलिस पूछताछ में पता चला कि आयुष के आने के बाद अर्नब खाना खाने के बाद उसे बाइक से लेकर घूमने के लिए निकला था। इसी दौरान उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद अर्नब के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

घाटी के सुधरे हालात, पटरी पर लौटा कारोबार; अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आए कारोबारी

● इसमें मददगार बनी है। कश्मीर घाटी के हालात सुधरने के बाद स्थानीय निवासियों में उम्मीद बंधी है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में पहुंचे कारोबारियों का मानना है कि शांति कायम होने से कारोबार पटरी पर है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर कश्मीर घाटी के हालात सुधरने के बाद स्थानीय निवासियों में उम्मीद बंधी है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में पहुंचे कारोबारियों का मानना है कि शांति कायम होने से कारोबार पटरी पर है। सरकार भी इसमें मददगार बनी है। कश्मीर घाटी के हालात सुधरने के बाद स्थानीय निवासियों में उम्मीद बंधी है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में पहुंचे कारोबारियों का मानना है कि शांति कायम होने से कारोबार पटरी पर है। सरकार भी इसमें मददगार बनी है। स्थानीय कारीगरों और कलाकारों के लिए घाटी में विशेष 10 क्लस्टर और 5000 सोसायटियां बनाई गई हैं। इसमें युवाओं को डिजाइनिंग, डाइंग और बुनकारी की ट्रेनिंग और वरिष्ठ कलाकारों को ट्रेनर के तौर पर रोजगार मिल रहा। ट्रेड फेयर में फोकस स्टेट जम्मू कश्मीर के पवेलियन में राज्य के प्रदर्शकों, शिल्पकारों और बुनकरों की जुबानी पिछले चार साल में इनके बदलाव की हकीकत को सुना व समझा जा सकता है। जम्मू कश्मीर पवेलियन में हस्तशिल्प, हथकरघा, कृषि उत्पादों के 120 स्टाल हैं, 10 नेशनल व स्टेट अवार्डी कलाकार अपने काम का लाइव प्रदर्शन कर रहे। बारामुला जिले से सिंकपुरा गांव के रहने वाले स्टेट अवार्डी मो शफी भट कानी शॉल बना रहे। दो दिन में यहीं इन्होंने जम्मू कश्मीर ट्रेड प्रमोशन का लोगो बनाया। अब इंडिया गेट का लोगो बनाने की तैयारी में हैं। अखरोट की लकड़ी की कानी और अपनी उंगलियों के इस्तेमाल से ये पशमीना, सूत, रेशम के कपड़े पर कारीगरी करते हैं। शॉल, मफलर, साड़ी और विभिन्न प्रकार के लोगो बनाने में माहिर हैं। कानी शॉल, शोजनी शॉल, सूट, कश्मीरी फेरन, टोपी, मफलर, पेपर मशी, तिला वर्क, जूलरी, ड्राई फ्रूट, कहवा और शहद खरीद सकते हैं। युवा कामगारों ने ये उत्पाद तैयार किए हैं, जिनमें 70 फीसदी महिला कामगार शामिल हैं।

कार में रखे पांच करोड़ के गहने चोरी, ढाबे पर खाना खाने रुका था पीड़ित

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर कोतवाली क्षेत्र से कार में रखे करोड़ों रुपये के आभूषण लेकर बदमाश फरार हो गए। गहनों की कीमत पांच करोड़ बताई जा रही है। गहनों की कीमत के संबंध में पुलिस ने अधिकारिक रूप से जानकारी नहीं दी है ।यमुना एक्सप्रेसवे पर स्थित ढाबे से दिल्ली चांदनी चौक के नोएडा सेक्टर-79 निवासी आभूषण कारोबारी मनोज कुमार और जौनपुर के ज्वेलर्स गणेश सोनी के करोड़ों रुपये के आभूषण लेकर बदमाश फरार हो गए। गहनों की कीमत पांच करोड़ बताई जा रही है। गणेश सोनी यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर कोतवाली क्षेत्र में अपने चालक विवेक मिश्रा और मुनीष के साथ ढाबे पर खाना खाने रुके। इसी दौरान बदमाश कार व गहनों से भरे बैग लेकर फरार हो गए। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर कार अलीगढ़ क्षेत्र में जीरो प्वाइंट से 44 किमी. पर बरामद की है और गहने व बदमाशों की तलाश में जुटी है। जौनपुर निवासी ज्वेलर्स गणेश सोनी ने पुलिस को शिकायत दी है कि वह दिल्ली के चांदनी चौक कूचा महाजनी में श्री ज्वेलर्स शोरूम

चलाने वाले मनोज कुमार के नोएडा स्थित घर आए थे। रविवार को वह यहां से व्यापार के लिए आभूषण लेकर जौनपुर जा रहे थे। तभी मनोज कुमार ने उन्हें एक गहनों से भरा बैग दिया। ये बैग मनोज कुमार ने जौनपुर के रहने वाले ज्वेलर्स राजेश यादव को देना था। हालांकि, एफआईआर में गणेश सोनी ने कहा है कि उन्हें नहीं पता कि बैग में क्या था। गणेश सोनी नोएडा से जौनपुर लौटते समय यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर कोतवाली क्षेत्र स्थित शिवा ढाबे पर खाना खाने रुक गए। खाना खाकर जब वह अपनी इनोवा क्रिस्टा कार के पास लौटे तो कार वहां नहीं थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। गणेश सोनी का कहना है कि वह गहने से भरे बैग कार में ही छोड़कर खाना खाने लगे थे। इसी दौरान बदमाश कार लेकर भाग गए। पुलिस जांच में जुटी तो पता चला कि बदमाश कार अलीगढ़ क्षेत्र में छोड़कर गहने लेकर भाग गए हैं। पुलिस कार बरामद करने के बाद बदमाशों की तलाश में जुटी है। गहनों की कीमत के संबंध में पुलिस ने अधिकारिक रूप से जानकारी नहीं दी है। कार बरामद कर गहने व आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना संदिग्ध लग रही है और किसी परिचित का हाथ लग रहा है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार व गहने बरामद कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर दिल्लीवासी, छह दिन राहत के आसार नहीं; जानें कितना है AQI

● इस पर पूरी ताकत से काम कर रही है। मैं दिल्ली की जनता से भी कहना चाहूंगा कि आज उत्तर भारत में प्रदूषण में पराली जलाने की बहुत कम घटनाएं शामिल हैं।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, रविवार सुबह राजधानी के कई इलाकों में 400 के पार एक्यूआई दर्ज किया गया है। जहांगीरपुरी में 450, बवाना में 427, आनंद विहार में 433, अशोक विहार में 434, द्वारका सेक्टर-8 में 385, बुराड़ी में 404, आईजीआई एयरपोर्ट पर 360, आईटीओ पर 382, आया नगर में 320 एक्यूआई दर्ज किया गया है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कुछ क्षेत्रों में 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। दिल्लीवासी जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, रविवार सुबह राजधानी के कई इलाकों में 400 के पार एक्यूआई दर्ज किया गया है। जहांगीरपुरी में 450, बवाना में 427, आनंद विहार में 433, अशोक विहार में 434, द्वारका सेक्टर-8 में 385, बुराड़ी में

404, आईजीआई एयरपोर्ट पर 360, आईटीओ पर 382, आया नगर में 320 एक्यूआई दर्ज किया गया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के वायु प्रदूषण में कमी लाने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। सरकार इस पर पूरी ताकत से काम कर रही है। मैं दिल्ली की जनता से भी कहना चाहूंगा कि आज उत्तर भारत में प्रदूषण में पराली जलाने की बहुत कम घटनाएं शामिल हैं। अब, स्थानीय प्रदूषण स्त्रोतों के कारण उत्तरी एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ रहा है। मैं आग्रह करना चाहूंगा कि जिस तरह से जीआरएपी क्क्क को सख्ती से लागू किया गया है दिल्ली में लागू, एनसीआर में भी नियमित निगरानी होनी चाहिए। बायोमास जलने का योगदान दिखाई दे रहा है क्योंकि वर्तमान प्रदूषण स्थानीय स्त्रोतों के कारण है। यह एनसीआर से दिल्ली में आ रहा है। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के मुताबिक शनिवार को दिल्ली में मुख्य सतही हवा चार किमी प्रति घंटे की गति पूर्वोत्तर-पूर्व दिशाओं से चली। सुबह के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहे व धुएं के कारण प्रदूषण स्तर को बढ़ने का मौका मिला। वहीं दिन में चली सर्द हवा के कारण प्रदूषण कण फैल नहीं पाए। हालांकि दिन में खिली हल्की धूप व हवा के रुख में आए बदलाव के कारण प्रदूषक तत्वों से थोड़ी राहत मिली जिस कारण शुक्रवार के मुकाबले प्रदूषण स्तर में मामूली सुधार हुआ। शनिवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। रविवार से वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है। हालांकि 28 नवंबर तक प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में ही रह सकता है। अगले छह दिनों की बात करें तो सुधार की कोई खास उम्मीद नहीं है और वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रहने की आशंका है। दल्ली-एनसीआर यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर कोतवाली क्षेत्र से कार में रखे करोड़ों रुपये के आभूषण लेकर बदमाश फरार हो गए। गहनों की कीमत पांच करोड़ बताई जा रही है। गहनों की कीमत के संबंध में पुलिस ने अधिकारिक रूप से जानकारी नहीं दी है ।यमुना एक्सप्रेसवे पर स्थित ढाबे से दिल्ली चांदनी चौक के नोएडा सेक्टर-79 निवासी आभूषण कारोबारी मनोज कुमार और जौनपुर के ज्वेलर्स गणेश सोनी के करोड़ों रुपये के आभूषण लेकर बदमाश फरार हो गए। गहनों की कीमत पांच करोड़ बताई जा रही है। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर कार अलीगढ़ क्षेत्र में जीरो प्वाइंट से 44 किमी. पर बरामद की है और गहने व बदमाशों की तलाश में जुटी है। जौनपुर निवासी ज्वेलर्स गणेश सोनी ने पुलिस को शिकायत दी है कि वह दिल्ली के चांदनी चौक कूचा महाजनी में श्री ज्वेलर्स शोरूम चलाने वाले मनोज कुमार के नोएडा स्थित घर आए थे। रविवार को वह यहां से व्यापार के लिए आभूषण लेकर जौनपुर जा रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

नशे में धुत पति ने पत्नी को जिंदा जलाया, इलाज के दौरान महिला की हुई मौत; आरोपी की तलाश में पुलिस

गाजियाबाद के लिंक रोड थाना क्षेत्र में पति ने पत्नी पर नशे में तेल डालकर जलाया। घटना के बाद पति मौके से भाग गया। परिवार के लोगों ने बृज विहार में रहने वाली सरोज को 15 नवंबर को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया था। शनिवार रात सरोज की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पत्नी को तेल डालकर चलने की सूचना मिलने पर लिंक रोड पुलिस अस्पताल पहुंची है। अभी घटना में परिवार ने कोई लिखित शिकायत नहीं दी है। पुलिस पति को तलाश कर रही है।

विवाह मंडप में आग लगने से मचा हड़कंप, दमकलकर्मियों ने पाया काबू; कोई जनहानि नहीं

गाजियाबाद के पांडव नगर में डायमंड फ्लाईओवर के पास विवाह मंडप में रविवार तड़के आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आधा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गाजियाबाद के पांडव नगर में डायमंड फ्लाईओवर के पास विवाह मंडप में रविवार तड़के आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आधा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि करीब सुबह 3:30 बजे तरुण शर्मा नाम के व्यक्ति ने सूचना दी कि विवाह मंडप में आग लगी है। मौके पर दमकल की टीम पहुंची। देखने पर पता चला कि वहां फाइबर शीट में आग लगी है। वहां से काफी धुंआ निकल रहा था। आधा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इसमें कोई हानि नहीं है। जिस वक्त घटना हुई उस वक्त विवाह मंडप में कर्मचारीयों के अलावा कोई नहीं था। बताया जा रहा है कि किसी ने बीड़ी जलाकर वहां फेंक दी या फिर माचिस की तिल्ली से आग वहां तक पहुंची है।

आज सुबह आठ की बजाय 11 बजे से चलेगी नमो भारत ट्रेन, एनसीआरटीसी ने बताई यह वजह

रविवार को यह ट्रेन सुबह आठ बजे की बजाय 11 बजे चलेगी। हालांकि, रविवार का अवकाश होने की वजह से नौकरीपेशा लोगों को दिक्कत नहीं होगी। सोमवार को यह अपने निर्धारित समय पर चलेगी। साहिबाबाद से दुहाई के बीच शुरू हुई नमो भारत ट्रेन का संचालन रविवार को तीन घंटे देरी से शुरू होगा। रविवार को यह ट्रेन सुबह आठ बजे की बजाय 11 बजे चलेगी। हालांकि, रविवार का अवकाश होने की वजह से नौकरीपेशा लोगों को दिक्कत नहीं होगी। सोमवार को यह अपने निर्धारित समय पर चलेगी। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि साहिबाबाद-दुहाई डिपो कॉरिडोर पर नियमित मेंटेनेंस और अपग्रेडेशन की वजह से सुबह तीन घंटे ट्रेन नहीं चलेंगी। उन्होंने बताया कि यात्रियों की जानकारी के लिए इसकी सूचना विभाग की वेबसाइट आरआरटीएस डॉट को डॉट इन पर भी दे दी गई है।

चढ़त के दौरान सपा नेता की रिश्तेदार से लूटा सोने का हार

एनटीवी

इंदिरापुरम। प्रहलादगढ़ी चौकी से 600 मीटर की दूरी पर शुक्रवार रात सपा नेता की रिश्तेदार और कानपुर के लोहा कारोबारी की पत्नी से करीब सात लाख रुपये की कीमत का सोने का हार लूट लिया। शादी समारोह में चढ़त के दौरान लुटेरे गले पर झपट्टा मारकर हार खींचकर साहिबाबाद मंडी की तरफ भाग गए। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन लुटेरों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा। पीड़ित ने इंदिरापुरम कोतवाली में लूट की शिकायत दी है। घटना के घंटों बाद भी पुलिस ने मुकदमा नहीं लिखा। कानपुर के हटिया में रहने वाले लोहा कारोबारी नितिन जैन ने बताया कि शुक्रवार को पत्नी नेहा जैन के साथ रिश्तेदार की बरात में शामिल होने वसुंधरा सेक्टर-18 के होटल स्पून आए थे। रात करीब 8:30 बजे होटल के बाहर सड़क पर चढ़त का कार्यक्रम हो रहा था। इस बीच पल्सर बाइक पर सवार दो लुटेरों ने मौका पाकर नेहा के गले से सोने का हार झपट लिया। नेहा ने शोर मचाया, लेकिन लुटेरे साहिबाबाद मंडी की तरफ भाग निकले। इस दौरान एक गार्ड से मदद मांगी, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। पेट्रोलिंग कर रहे बाइक सवार पुलिस कर्मियों को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर इंदिरापुरम कोतवाली पुलिस हरकत में आई। सपा नेता और कारोबारी अभिषेक गर्ग भी घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी। इंदिरापुरम एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि होटल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं। बाइक और लुटेरे को ट्रेस करने के लिए हर एंगल से काम चल रहा है। मुकदमा दर्ज कर लुटेरों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। सेफ जोन में वारदात, सुरक्षा पर सवाल घटनास्थल से महज 600 मीटर की दूरी पर प्रहलादगढ़ी चौकी और कुछ ही दूरी पर इंदिरापुरम कोतवाली है। दो किमी के दायरे में सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय है। होटल स्पून के आसपास अधिकांश समय पुलिस लैपर्ड तैनात रहती है। इसके बावजूद सेफ जोन में लुटेरे वारदात को अंजाम देकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर गए। प्रभारी निरीक्षक बोले, रात में नहीं मिली तहरीर कारोबारी नितिन जैन के मुताबिक, घटना की लिखित शिकायत उन्होंने पुलिस को कुछ देर बाद ही दे दी थी। तब पुलिस ने उन्हें व्हाट्सएप नंबर पर एफआईआर की कॉपी भेजने का आश्वासन देकर लौटा दिया, लेकिन शनिवार को कारोबारी को मुकदमे की कॉपी नहीं मिली। प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र सिंह का कहना था कि कारोबारी ने रात में लिखित शिकायत नहीं दी। थाने में स्टाफ को तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज करने के लिए बोल दिया था। कारोबारी का कहना है कि पुलिस पुलिस ने उन्हें बताया था कि सीसीटीवी फुटेज मिली है। बाइक पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी।

एमबीबीएस के छात्र को पहले पीटा फिर बनाई वीडियो

गाजियाबाद। पांच दिन पहले 20 नवंबर को एमबीबीएस छात्र संचित त्रिपाठी की पिटाई करने के मामले में छात्र के परिजनों ने पुलिस से शिकायत की है कि आरोपियों ने न केवल संचित की पिटाई की बल्कि सॉरी भी बुलवाया और इस घटना का वीडियो बनाकर तालिबानी सोच का परिचय दिया। प्रयागराज के लूकरगंज निवासी कारोबारी संतोष त्रिपाठी का बेटा संचित एमबीबीएस प्रथम वर्ष का छात्र है। वह प्रताप विहार में पीजी में रहता है। हमलावरों ने बेखौफ होकर पीजी में घुसकर पिटाई की। पुलिस का कहना है कि संचित के साथ पढ़ने वाली एक छात्रा से परीक्षा के दौरान कहासुनी हो गई थी। संचित ने छात्रा को मैसेज किया और फिर उसे डिलीट कर दिया। छात्रा ने यह बात अपने भाई को बताई थी। इसके बाद वह कुछ लड़कों के साथ संचित की पिटाई की और वीडियो बनाया। संचित के परिजनों का कहना है कि अफगानिस्तान के आर्तकियों की तरह पिटाई के बाद वीडियो बनाया गया। इस घटना के बाद संचित के दिमाग पर बुरा असर पड़ा है। वह काफी सहमा हुआ है। एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि जांच में सामने आया है कि माफी मंगवाने के लिए जबरदस्ती वीडियो बनाया गया है। विवाद छात्रा को किए गए मैसेज को लेकर है।

धर्मांतरण मामले में फंडिंग के तार खंगाल रही पुलिस

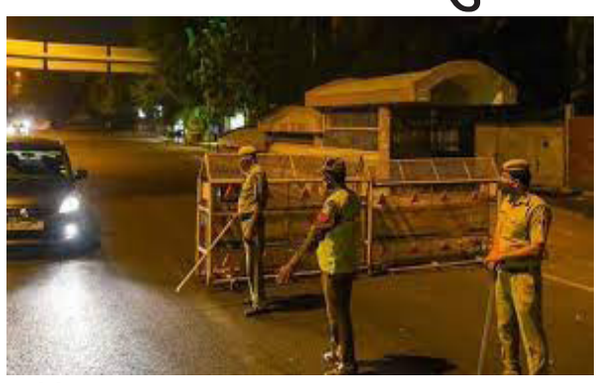

एनटीवी

गाजियाबाद। नंदग्राम क्षेत्र की रहने वाली दाई का तंत्र-मंत्र से इलाज करने के नाम पर धर्मांतरण के मामले में पुलिस फंडिंग होने के संबंध में तार जोड़ रही है। इसके लिए पुलिस उसके बैंक अकाउंट और सीडीआर समेत सोशल मीडिया व ई-मेल आईडी खंगाल रही है। आशंका है कि यह बड़ा गिरोह संचालित कर रहा था या किस सह पर गिरोह संचालित हो रहा। पुलिस इसकी भी जानकारी कर रही है। डीसीपी नगर निपुण अग्रवाल ने बताया कि पूछताछ में अभी कोई अहम जानकारी नहीं मिली। ऐसे में उसका बैंक अकाउंट लिया गया है। साथ ही मोबाइल नंबर के आधार पर जानकारी की जा रही है। वह किस-किस से बात करता था। जो लोग इसके पास जाते थे। उनको भी विश्वास में लेकर जानकारी की जा रही है। उनके भी बयान दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सैकड़ों लोगों का धर्मांतरण कराने की संभावना : मौलवी सरफराज मोरटा में एक मकान में दरबार लगाकर लोगों को उनका इलाज व समस्या का समाधान कराने का विश्वास दिलाता था। इसके लिए वह मूर्ति पूजा नहीं करने के लिए प्रेरित करता था।

सोसाइटी में एओए ने लगाए पोस्टर, फ्लैट खरीदार लौट रहे वापस

एनटीवी

वसुंधरा। सेक्टर-15 स्थित शिखर एंक्लेव सोसाइटी में 24 फ्लैटों को बेचने के लिए आवास विकास परिषद ने 42 प्रतिशत दाम घटा दिए हैं। इसके बाद भी खरीदार इन फ्लैटों से दूरी बनाए हुए हैं। वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। दरअसल, सोसाइटी में जगह-जगह लगे पोस्टर चर्चा का विषय बने हुए हैं। इन पोस्टरों में खरीदारों को सचेत करते हुए सोसाइटी और फ्लैटों की खामियां गिनाई गई हैं। पोस्टर पढ़ते ही खरीदार बिना फ्लैट देखे वापस लौट रहे हैं। पोस्टर सोसाइटी की अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) ने ही लगाए हैं। पांच वर्ष पूर्व बनी सोसाइटी की समस्याओं को नोटिस बोर्ड पर भी गिनाया गया है। इसमें पार्किंग की सुविधा न होना, घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग और अन्य अव्यवस्थाओं का जिक्र है। सस्ते दाम पर फ्लैट पंजीकरण की पूछताछ के लिए जो लोग आवास विकास परिषद के कार्यालय पहुंच रहे हैं, सोसाइटी में जाते ही उनका मोहभंग हो रहा है और नोटिस देख वापस लौट रहे हैं। यही वजह है कि अब तक सोसाइटी में फ्लैट खरीदने के लिए पूछताछ तो हुई लेकिन पंजीकरण एक भी फ्लैट का नहीं हो सका है। वहीं, आवास विकास संपत्ति कार्यालय अधिकारी सुनील शर्मा का कहना है कि एओए की तरफ से भ्रामक प्रचार किया जा रहा है जो गलत है। सोसाइटी में यदि कोई समस्या है तो उसे सर्किल अधिकारी दूर करेंगे, लेकिन इस तरह गलत प्रचार कर खरीदारों को भड़काना उचित नहीं है। एओए ने आविप को भेजा नोटिस एओए की ओर से उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद को नोटिस भी भेजा गया है

अपर जिला जज रहे आलोक पांडेय का हृदयाघात से निधन

गाजियाबाद। गाजियाबाद में अपर जिला जज द्वितीय रहे आलोक पांडेय का हृदयाघात से शनिवार दोपहर निधन हो गया। मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजा न्यायाधिकरण / जिला जज पद पर पदोन्नत होने के बाद उनका 18 नवंबर को तबादला औरैया हुआ था। वह मोटर वाहन दुर्घटना मुआवजा न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी बनाए गए थे। वह पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने के लिए इलाहाबाद गए थे। वहां से पैतृक गांव कानपुर जा रहे थे। रास्ते में अचानक सीने में दर्द होने लगा और बेचैनी बढ़ने लगी। साथ में आ रहे परिजनों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका निधन हो गया। वह गाजियाबाद अदालत में छह जुलाई 2022 को फिरोजाबाद से ट्रांसफर होकर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बने थे। तबादला होने के बाद अभी उनका परिवार न्यायाधीश आवास में रह रहा है।

प्रदूषण के कण बढ़ा रहे आंखों की जलन

- ऐसी स्थिति में बुजुर्गों और हाल ही में आंखों की सर्जरी कराने वालों के लिए खतरा अधिक बढ़ गया है। सुबह और शाम के समय एलर्जी से जलन होने की संभावना ज्यादा रहती है

एनटीवी

गाजियाबाद। प्रदूषण बढ़ने से आंखों की परेशानी भी बढ़ गई है। आंखों में जलन, खुजली और दर्द के इलाज के लिए जिला एमएमजी अस्पताल में प्रतिदिन 200 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें 80 फीसदी मरीजों को प्रदूषण के कारण परेशानी हो रही है। अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र कुमार का कहना है कि प्रदूषित हवा से आंखों पर बुरा प्रभाव पड़ा है। प्रदूषित हवा में निकलते ही आंखों में जलन और दर्द जैसी परेशानियां हो रही है। हवा में मौजूद प्रदूषण के हानिकारक कण नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड आदि आंखों की झिल्लियों में जाने पर नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे बचने के लिए आंखों की हाथ से मसाज करें। ड्राईनेस से बचने के लिए आंखों को धोते रहें। सर्जरी कराने वाले बुजुर्गों को अधिक परेशानी प्रदूषण के कारण ऑक्यूलर एलर्जी (आंखों की एलर्जी) और कंजक्टिवाइटिस की शिकायत करने वाले मरीजों की संख्या 30 फीसदी बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में बुजुर्गों और हाल ही में आंखों की सर्जरी कराने वालों के लिए खतरा अधिक बढ़ गया है। सुबह और शाम के समय एलर्जी से जलन होने की संभावना ज्यादा रहती है, इसलिए मॉर्निंग वॉक के लिए बाहर जाते हुए खास तौर से बुजुर्ग और बच्चों को चश्मा पहनने की सलाह दी जा रही है। इस तरह करें बचाव भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों के अलावा पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए और ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा शामिल करें। ज्यादा देर तक स्क्रीन देखना समस्या को और बढ़ा सकता है। आंखों को ज्यादा से ज्यादा आराम देने के लिए स्क्रीन के पास कम से कम रहें। आंखों का मेकअप, काजल और कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल करने से बचें। यह प्रदूषकों को आंख के अंदर पहुंचा सकते हैं। बाहर से घर में आने के बाद हाथ और चेहरा धोएं। एमएमजी में 1688 मरीजों का पंजीकरण एमएमजी अस्पताल के सीएमएस डॉ. मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि शनिवार को 1688 मरीजों का पंजीकरण हुआ। इनमें 791 महिलाएं, 608 पुरुष और 289 बच्चे थे। बुखार के 246 मरीज थे, जबकि सांस से संबंधित 217 मरीज थे। ओपीडी बंद होने के बाद 62 मरीज इमरजेंसी में इलाज कराने पहुंचे। इनमें से 32 मरीजों को सांस लेने में परेशानी हो रही थी।

ऑनलाइन बिक रहा हलाल सर्टिफाइड उत्पाद, ऑफलाइन पर कर रहे परेशान

गाजियाबाद। हलाल सर्टिफाइड उत्पादों की बिक्री पर उत्तर प्रदेश सरकार ने रोक लगा दी है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारी दुकानों पर जाकर इन उत्पादों को सील कर रहे हैं, लेकिन ऑनलाइन बिक्री पर रोक नहीं लगी है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के पदाधिकारियों का कहना है कि इस दोहरे मापदंड से ऑफलाइन कारोबार कर रहे व्यापारी परेशान हैं। कैट के राष्ट्रीय सचिव तिलक राज अरोडा का कहना है कि इन उत्पाद को बनाने या पैकिंग में व्यापारियों का हस्तक्षेप नहीं होता है और न ही उसे इस बात का ज्ञान है कि किन उत्पादों को वास्तविक रूप में हलाल सर्टिफाइड होना चाहिए और ऐसा सर्टिफिकेट दिए जाने के लिए देश में कोई संस्था अधिकृत है या नहीं। प्रदेश सरकार के आदेश के बाद बाजारों में की जा रही कार्रवाई की वजह से व्यापारियों में भय बन है। व्यापारियों के उत्पीड़न से कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स चिंतित है

15-15 हजार रुपये लेकर बनवाए थे फर्जी मेडिकल प्रमाण-पत्र

एनटीवी

गाजियाबाद। नगर निगम में नौकरी और प्रधानमंत्री आवासीय योजना में फ्लैट दिलाने के नाम पर 20 से ज्यादा लोगों से 1.01 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने 15-15 हजार रुपये लेकर फर्जी मेडिकल प्रमाण पत्र बनवाए। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां न तो उनका ब्लड सैंपल लिया गया और न ही कोई जांच कराई गई। इतना ही नहीं उन्हें नगर निगम में ले जाकर सेल्फी भी ली गई। और बताया गया कि यही तुम्हारा कार्यालय है। सेल्फी से ही शुरूआत में तुम्हारी उपस्थिति लगेगी। ऐसे में आशंका है कि नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की भी मिलीभगत हो सकती है। मामले में नंदग्राम में रहने वाले मोहम्मद अकबर ने 30 अक्तूबर को प्रिया उर्फ प्रीति उपाध्याय, पवन उपाध्याय और चंदन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि सारे सबूत देने के बाद भी मामले में विवेचक महेंद्र शर्मा मुकदमा दर्ज होने के 25 दिन बाद भी कार्रवाई का आधार तलाशते रहे और वे थाने चौकी के चक्कर काटते रहे। परेशान होकर उन्होंने अफसर से शिकायत की तो अधिकारियों ने मामले में विवेचक को बदल दिया। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने पर मामले में विवेचक को दो दिन का समय दिया गया था। दो दिन बाद भी अपडेट नहीं मिला। जिस कारण आईओ बदल दिया गया है। मामले की जांच अब अशोक कुमार कर रहे हैं। मामले में फर्जी प्रमाण पत्र किसने बनाए और कैसे बने।

जूस विक्रेता के जरिये कर रहे थे वसूली

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा। यातायात माह में ग्रेनो वेस्ट के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में जूस विक्रेता के जरिये यातायात पुलिसकर्मियों के अवैध वसूली करने का खुलासा हुआ है। पुलिसकर्मियों ने एक ईको वाहन चालक को रोककर जांच की और दो हजार का चालान करने से बचाने के लिए पांच सौ रुपये वसूल लिए। रुपये जूस विक्रेता के मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन भेजे गए। घटना का वीडियो वायरल होने पर टीएसआई सतेंद्र सिंह व हेड कांस्टेबल परवेज को निलंबित कर एसीपी-3 सेंट्रल जोन को मामले की जांच दी गई है। शनिवार सुबह सीआरपीएफ कैंप के पास कच्ची सड़क पर यातायात पुलिसकर्मियों ने ईको कार चालक को रोक लिया। आरोप है कि जांच पड़ताल करने के बाद पुलिसकर्मियों ने दो हजार रुपये का चालान करने का डर दिखाया। इसके बाद चालान से बचने के लिए पांच सौ रुपये नकद देने के लिए कहा। चालक ने नकद नहीं होने और ई-वॉलेट से भुगतान करने के लिए कहा तो पुलिसकर्मियों ने एक जूस विक्रेता के पास भेज दिया। चालक ने बातचीत करने के बाद पांच सौ रुपये ई-वॉलेट से जूस विक्रेता को भुगतान कर दिया। पूरी घटना मोबाइल के कैमरे में कैद कर ली गई। जूस विक्रेता का कहना था कि उसके खाते में इसी तरह रुपये पुलिसकर्मी स्थानांतरित कराते हैं और शाम को कुछ पैसे देकर रुपये वापस ले लेते हैं। आठ सौ रुपये आए हैं अब तक, होगी खाते की जांच वायरल वीडियो में जूस विक्रेता के खाते में ऑनलाइन रुपये भेजने के बाद ईको वैन चालक उससे पूछताछ करता है। वह पांच सौ से कम रुपये कराने की बात करता है। तब विक्रेता कहता है कि कुछ रुपये उसे मिलेंगे बाकी पुलिसकर्मी उससे ले लेंगे। चालक कहता है कि अब तक कितने रुपये खाते में आ गए, तब विक्रेता कहता है कि केवल आठ सौ आए हैं। इस मामले में अब जूस विक्रेता के खाते की जांच के अलावा उसके नंबर पर रुपये भेजने वालों से भी पूछताछ की जाएगी

खूब बजेगी शहनाई: गौतमबुद्धनगर में होंगीं 3000 करोड़ रुपये की शादियां, 17 हजार विवाह होने की उम्मीद

एनटीवी

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आकलन के मुताबिक, गौतमबुद्ध नगर में 17 हजार शादियों में जो खर्च होना है, उसका करीब 80 फीसदी बाजार में आता है। ऐसे में एक आकलन यह है कि करीब 3000 करोड़ रुपये बाजार के हिस्से आएंगे। गौतमबुद्ध नगर में इस बार 3000 करोड़ की शादियां होंगी। कैट की रिपोर्ट के मुताबिक 17 हजार शादियां होने की उम्मीद हैं। ऐसे में बाजार भी खरीदारी और शादियों के आयोजन में होने वाले खर्च से गदगद है। एक आकलन के मुताबिक शादियों के चलते होने वाला कारोबार पिछले साल की तुलना में करीब 20 फीसदी अधिक होगा। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आकलन के मुताबिक, 17 हजार शादियों में जो खर्च होना है, उसका करीब 80 फीसदी बाजार में आता है। ऐसे में एक आकलन यह है कि करीब 3000 करोड़ रुपये बाजार के हिस्से आएंगे। 20 फीसदी वर और वधू पक्ष के पास पूरी शादी के खर्च में से जाता है। कैट की रिपोर्ट में माना गया है कि गौतमबुद्ध नगर सहित पूरे देश में दिवाली के अच्छे व्यापार के बाद अब शादियों का मौका भी कारोबार के लिए बेहतर रहेगा। 2022-23 में यह कारोबार करीब 2500 करोड़ रुपये का हुआ था। इसके चलते बड़े-छोटे व्यापारियों को इस साल अच्छा खासा व्यापार मिलने की उम्मीद है। कैट के दिल्ली-एनसीआर संयोजक और सेक्टर-18 मार्केट एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने बताया कि नोएडा और ग्रेनो दोनों ही जगह शादियों के लिए व्यापार की बेहतर संभावनाएं देखने को मिल रही हैं। शादियों के सीजन में अच्छे व्यापार की संभावनाओं को देखते हुए व्यापारियों ने भी अपनी तैयारियां की हैं। बाजारों में भी शादियों के लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान घरों की मरम्मत के सामान, पेंट के अलावा फर्नीचर, कपड़े, ज्वेलरी, मिठाई, गिफ्ट, फल-फूल, पूजा का सामान, खाद्य पदार्थ, सजावटी सामान, बिजली उत्पाद की खरीद की जाती है। इसके अलावा शादी के दिन के लिए बैंकट हॉल की बुकिंग, सजावट पर भी बड़ा खर्च किया जाता है। इसमें केटरर, टेंट हाउस, कैब सर्विस, सब्जी विक्रेता, फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, बैंड-बाजा, शहनाई, डीजे, बारात के लिए घोड़े, बग्घी आदि सेवाओं की बुकिंग पर भी खर्च रहेगा। शादियों के लिए इस साल मुहूर्त 23, 24, 27, 28 और 29 नवंबर 3, 4, 7, 8, 9 और 15 दिसंबर इसके बाद शादियां जनवरी के मध्य से फिर से शुरू होंगीं। अगले साल जुलाई तक शादियां चलेंगीं। 1500 शादियों में होगा 50 लाख से अधिक खर्च कैट का आकलन है कि जिले में करीब 1500 शादियां ऐसी होगीं जिनमें 50 लाख रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इनमें 250 शादियों में तो खर्च एक करोड़ रुपये के ऊपर रह सकता है। करीब 3000 शादियों में 4 से 5 लाख रुपये, 4500 शादियों में 7- 9 लाख रुपये, 5000 शादियां में 12 -15 लाख रुपये, 4000 शादियां जिनमें 30 -35 लाख रुपये प्रति शादी खर्च होगा।

एटीएस सोसायटी में दोस्त से मिलने से आई छात्रा का खून से लथपथ मिला शव

एनटीवी

इंदिरापुरम। नीतिखंड की एटीएस सोसायटी में शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे संतोष मेडिकल कॉलेज में बीडीएस की छात्रा आस्था शर्मा (30) का खून से लथपथ शव फव्वारे में पड़ा मिला। उसकी शिनाख्त छह घंटे में हो सकी। सीसीटीवी फुटेज में वह टॉवर नंबर -22 की 23वीं मंजिल से गिरती नजर आ रही है। इसके आधार पर पुलिस ने मामला आत्महत्या का बताया है। पुलिस का कहना है कि वह शुक्रवार को टॉवर नंबर छह में रहने वाले दोस्त रोहित खन्ना से मिलने के लिए आई थी। शाम छह बजे मुलाकात के बाद सोसायटी से चली गई लेकिन तीन मिनट बाद ही वापस आई। इस बार टॉवर नंबर 11 में पहुंची और फिर छलांग लगाकर जान दे दी। छज्जे पर उसकी चप्पल भी मिली है।पुलिस ने बताया कि दिल्ली की विकासपुरी मंडी निवासी कार शो रूम के मालिक अजय शर्मा की बेटी आस्था और मुंबई में फिल्म एक्टिंग का कोर्स कर रहे रोहित खन्ना में एक साल से दोस्ती थी। पिछले कई महीनों से आस्था अक्सर रोहित से मिलने आती थी। लेकिन, दो महीने पहले दोनों की दोस्ती टूट गई थी। इसके बाद भी आस्था कभी-कभार मिलने के लिए आती रही। वह अवसाद में थी। उसका उपचार भी चल रहा था। शुक्रवार को वह पहले सुबह नौ बजे आई और दोपहर तक रोहित के साथ रही। इसके बाद शक्तिखंड स्थित अपने फ्लैट पर चली गई। शाम को फिर से आई और छह बजे वापस आई। सोसायटी से निकलते ही फिर से वापस आई और रोहित के पास न जाकर दूसरे टावर पर गई। इसके बाद उसने छलांग लगाकर जान दे दी। मां ने कहा, तनाव में थी बेटी पुलिस ने आस्था की मां से फोन पर बात की। उन्होंने बताया कि बेटी काफी दिनों से तनाव में थी। उसका उपचार भी चल रहा था। बेटी की मौत की खबर से वह सदमे में आ गई। थोड़ी देर बाद ही परिजन इंदिरापुरम कोतवाली पहुंच गए। लिफ्ट में जाती नजर आई : एसीपी एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है कि आस्था का रोहित खन्ना के पास आना जाना था। सीसीटीवी में भी वह लिफ्ट से ऊपर जाती दिखी है। छज्जे पर उसकी चप्पल बरामद हुई। प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई होगी। 75 कैमरों की फुटेज देखी छह घंटे में खुल सका राज पुलिस को आस्था की मौत के रहस्य से पर्दा उठाने में छह घंटे का समय लगा। इसके लिए 75 कैमरों की फुटेज देखी गई। फुटेज में वह लिफ्ट से 23वीं मंजिल पर जाती नजर आई। तब जाकर स्पष्ट हुआ कि मामला आत्महत्या का है। इससे पहले आशंका यह भी थी कि उसकी हत्या न कर दी गई हो। शव की शिनाख्त भी नहीं हो पा रही थी। इस पर शव की तस्वीर आरडब्ल्यूए के व्हाट्स एप ग्रुप पर साझा की गई। छह घंटे बाद एक युवती ने उसकी शिनाख्त की। इसके बाद पुलिस ने उसके परिजनों और फिर रोहित खन्ना से संपर्क किया। सुरक्षा पर उठे सवाल एटीएस की गिनती इंदिरापुरम की वीआईपी सोसायटी में होती है, लेकिन इस घटना ने यहां की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े कर दिए। आस्था रोहित से मिलने कई बार आ चुकी थी। शुक्रवार को गेट नंबर पांच से प्रवेश किया तो उसका विवरण दर्ज नहीं किया गया।उसका शव शुक्रवार की शाम से शनिवार की सुबह तक पड़ा रहा लेकिन किसी ने उसे नहीं देखा। सुबह माली की नजर पड़ने पर घटना का पता चला। कराई जाएगी जांच : आरडब्ल्यूए आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष यतेंद्र तेवतिया का कहना है कि आस्था पिछले कई महीने से दोस्त से मिलने आती थी।

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

ऑटोमोबाइल विशेष

सर्दियों में बाइक को स्टार्ट करने में होती है परेशानी, तो रखें किन बातों का ध्यान

एनटीवी

सर्दियों के मौसम में बाइक को स्टार्ट करने में अक्सर परेशानी होती है। लेकिन किन बातों का ध्यान रखकर आसानी से बाइक स्टार्ट की जा सकती है। आइए जानते हैं।

सर्दियों में बाइक को स्टार्ट करना कई बार चुनौती बन जाता है। बार-बार सेल्फ का उपयोग करने से बाइक में और परेशानियां भी होने का खतरा बढ़ जाता है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि अगर आप भी सर्दियों में बाइक स्टार्ट करने के दौरान परेशान होते हैं, तो किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

खुले में ना करें पार्क

किसी भी मौसम में अगर आप बाइक को खुले में पार्क करते हैं, तो बाइक को नुकसान होता है। खासतौर पर सर्दियों के मौसम में बाइक को खुले में पार्क करने पर बाइक काफी तेजी से ठंडी हो जाती है। ऐसे में बाइक को स्टार्ट करना काफी मुश्किल हो जाता है।

कोशिश करें कि बाइक को कवर्ड पार्किंग में पार्क करें। इससे बाइक को जल्दी स्टार्ट करने में मदद मिलेगी।

इंजन ऑयल होता है ठंडा

बाइक को स्टार्ट करने के साथ ही पूरे इंजन में ऑयल घूमता है। लेकिन सर्दियों के मौसम में बाइक में इंजन ऑयल काफी तेजी से ठंडा होता है। खासतौर पर सुबह के समय बाइक को स्टार्ट करने में इस कारण से भी परेशानी होती है।

बैटरी को होता है नुकसान

जब बाइक को बार-बार स्टार्ट करने की कोशिश की जाती है, तो बाइक की बैटरी पर इसका बुरा असर होता है। सर्दियों के मौसम में बाइक को स्टार्ट करने की कोशिश के कारण बैटरी जल्दी डिस्चार्ज हो सकती है। कोशिश करें कि बाइक को स्टार्ट करने के पहले बैटरी को चेक करें। अगर खराब हो तो उसे बदलें।

पेट्रोल टैंक रखें फुल

सर्दियों में बाइक को स्टार्ट करने में परेशानी का कारण पेट्रोल टैंक में कम मात्रा में पेट्रोल होना भी होता है। कम तापमान के कारण पेट्रोल टैंक में कई बार पानी की बूंदे आ जाती हैं। जो सफर के दौरान इंजन तक पहुंचकर इंजन को नुकसान पहुंचाती हैं। इससे बचने के लिए बाइक के पेट्रोल टैंक को सर्दियों के समय हमेशा फुल रखें।

तकनीक की नजर में सभी हैं बराबर, केरल पुलिसकर्मियों का एआई कैमरे से हुआ चालान

एनटीवी

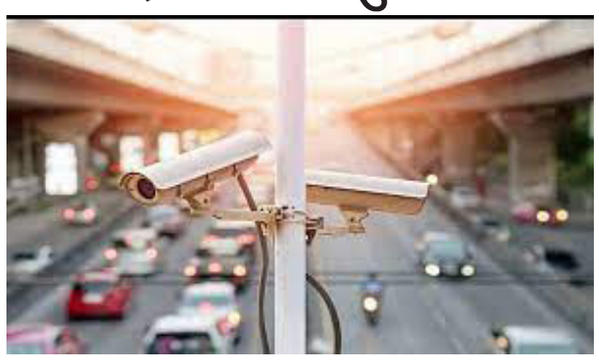

केरल राज्य सरकार ने यातायात उल्लंघनों की निगरानी के लिए 'सुरक्षित केरल' परियोजना के तहत राज्य भर में 700 से ज्यादा एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कैमरे लगाए थे। राज्य में एक हालिया घटना कानून प्रवर्तन में एआई की भूमिका पर रोशनी डालती है। इस साल की शुरूआत में, केरल राज्य सरकार ने यातायात उल्लंघनों की निगरानी के लिए 'सुरक्षित केरल' परियोजना के तहत राज्य भर में 700 से ज्यादा एआई (AI) (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कैमरे लगाए थे। बाद में देखा गया कि कैमरे लगने के बाद राज्य में दुर्घटनाएं और यातायात उल्लंघन दोनों में काफी कमी आई है। राज्य में एक हालिया घटना कानून प्रवर्तन में एआई की भूमिका पर रोशनी डालती है। जहां पुलिस कार चला रहे दो पुलिस कर्मियों को सीट बेल्ट नहीं पहनने के लिए चालान जारी किया गया था। ये कैमरे यातायात पर नजर रखते हैं और उल्लंघन करने वालों को ऑटोमैटिक रूप से चालान जारी करते हैं। एआई कैमरे बिना इंसानी हस्तक्षेप की जरूरत के, हफ्ते में सभी दिन चौबीसों घंटे (24/7) यातायात स्थितियों की निगरानी कर सकते हैं और उल्लंघनकताओं की पहचान कर सकते हैं। इंटरनेट पर सामने आए एक फुटेज में, केरल पुलिस की एक गाड़ी (एक शेवरले टवेरा नियो एसयूवी) को अक्कैमरे के नीचे से दो बार गुजरते देखा जा सकता है। यह पता नहीं चल पाया है कि गाड़ी की सही लोकेशन क्या थी।

दिन के उजाले के दौरान ली गई पहली तस्वीर में, ड्राइवर को सीट बेल्ट पहने देखा गया, जबकि सह-यात्री ने सीट बेल्ट नहीं पहना था। बाद में दिन में ली गई एक अन्य तस्वीर में, दोनों पुलिस अधिकारियों ने अपनी सीट बेल्ट नहीं पहनी हुई थी। जिसके कारण अपराध के लिए चालान ऑटोमैटिक तरीके से जारी किए गए थे। यह चालान केरल मोटर वाहन विभाग द्वारा जारी किया गया था।

वीडियो ने इंटरनेट पर एक बहस छेड़ दी है। जिसमें यूजर्स इन कैमरों की निष्पक्ष प्रकृति की सराहना कर रहे हैं। साथ ही यह यूजर्स को कानूनों का पालन करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। क्योंकि कोई मानवीय हस्तक्षेप न होने पर भी उन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

बाइक चलाते हुए ना करें ये चार गलतियां, हादसा होने का खतरा हो जाएगा कम, जानें डिटेल

एनटीवी

देश में सबसे ज्यादा सड़क हादसे दो पहिया वाहनों से होते हैं। लेकिन अगर बाइक चलाते हुए कुछ गलतियां ना की जाएं, तो खतरा काफी कम होता है। आइए जानते हैं।

सड़क पर बाइक चलाते हुए अक्सर छोटी-छोटी गलतियों के कारण बड़े हादसा होने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन हम इस खबर में आपको ऐसे चार तरीकों की जानकारी दे रहे हैं। जिनको ध्यान में रखकर बाइक को चलाया जाता है, तो हादसा होने का खतरा काफी कम हो जाता है।

स्पीड में ना चलाएं

बाइक को कभी भी ज्यादा स्पीड में नहीं चलाना चाहिए। ऐसा करने से ना सिर्फ आप अपनी सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। बल्कि इससे दूसरे वाहनों की सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने के कारण पुलिस की ओर से कार्रवाई करते हुए चालान भी काटा जा सकता है।

ड्रिंक एंड ड्राइव से नुकसान

सड़क पर बाइक चलाने से पहले कभी भी ड्रिंक नहीं करनी चाहिए। ऐसा करना ना सिर्फ सुरक्षा पर खतरा बढ़ाता है। बल्कि ऐसा करना आपको जेल भी पहुंचा सकता है। नशे में होने के कारण सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने में काफी परेशानी होती है। साथ ही पुलिस की ओर से आपके खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है।

ना करें लाइट जंप

प्रशासन और पुलिस की ओर से सड़क पर यातायात को सामान्य तरीके से चलाने के लिए रेड लाइट लगाई जाती हैं। इन लाइट्स को कभी भी तब पार नहीं करना चाहिए जब आपकी ओर की लाइट लाल हो। अन्यथा दूसरी तरफ से आने वाले वाहनों के साथ टक्कर हो सकती है और इसके अलावा पुलिस की ओर से चालान काटा जा सकता है।

उल्टी दिशा में ना चलाएं बाइक

वाहन को कभी भी गलत लेन में नहीं चलाना चाहिए और ना ही कभी विपरीत दिशा में वाहन चलाना चाहिए। ऐसा करने पर हादसा होने के चांस बढ़ जाते हैं। भारत में कई लोग समय बचाने के लिए गलत लेन और विपरीत दिशा में वाहन चलाते हैं लेकिन ऐसा करके वो अपनी और दूसरों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं।

एपल की नई टेक्नोलॉजी का कमाल, आईफोन यूजर्स AR के जरिए भीड़ में भी खोज सकेंगे अपनी कैब

एनटीवी

टेक्नोलॉजी की दिग्गज कंपनी Apple (एपल) ने एक नई टेक्नोलॉजी का पेटेंट कराया है जो iPhone (आईफोन) यूजर्स को उबर जैसे एप्लिकेशन का इस्तेमाल करते समय अपनी कैब पहचानने में मदद करती है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है।

इस पेटेंट टेक्नोलॉजी का नाम आने वाले वाहन की पहचान की सुविधा के लिए ऑगमेंटेड रियलिटी इंटरफेस है। यह शहरी वातावरण में इस चुनौती को हल करने की कोशिश करती है। तकनीक अपनी कैब का इंतजार कर रहे लोगों को सही वाहन ढूंढने में मदद करती है। खासकर ऐसे माहौल में जहां कई कारें हैं और कई अन्य लोग भी किसी कार का इंतजार कर रहे हैं।

यह टेक्नोलॉजी ऑगमेंटेड रियलिटी (संवर्धित वास्तविकता) पर निर्भर करती है। जिसमें एक बार लाइसेंस प्लेट और वाहन की जानकारी डेटाबेस में जुड़ जाने के बाद, यूजर आईफोन का कैमरा ऑन कर सकता है और आने वाले वाहनों को स्कैन कर सकता है। एक बार जब वाहन जानकारी से मेल खाता है, तो एक नोटिफिकेशन मिलता है।

एपल ने आगे कहा कि इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नजदीकी भविष्य में सार्वजनिक परिवहन के लिए भी किया जा सकता है। कंपनी ने इसका एक उदाहरण पर्यटकों को होने वाला फायदा बताया। इस तकनीक से एक पर्यटक को सही बस या बस टर्मिनल खोजने में मदद मिल सकेगी। आखिरकार नई पीढ़ी की क्षमताओं के साथ एपल मैप्स जैसी सर्विस भी शुरू की जा सकती हैं।

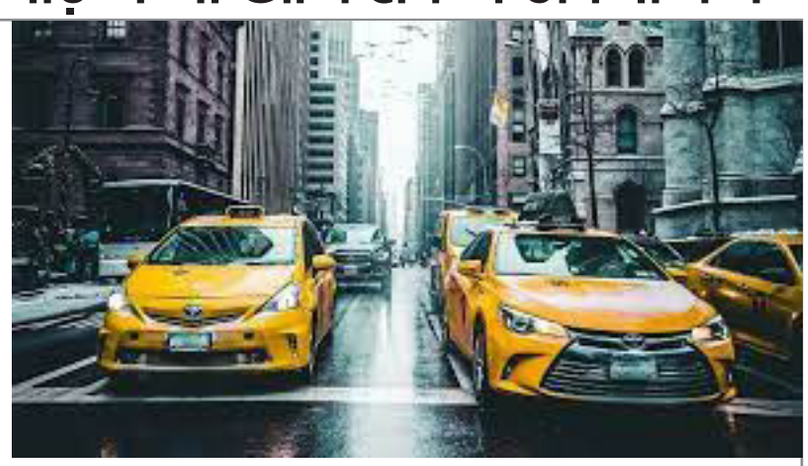

किसी विदेशी देश में यात्रा करने वाले पर्यटक को बस टर्मिनल पर सही बस का पता लगाने में कठिनाई हो सकती है। यदि वे नेविगेशन के लिए एपल मैप्स का इस्तेमाल करते हैं, तो एप्लिकेशन कैमरे से कनेक्ट हो सकता है और यूजर को बस टर्मिनल पर बसों को स्कैन करने की अनुमति दे सकता है। जब एप्लिकेशन को सही डिटेल की जानकारी मिल जाती है, तो यह संकेत दे सकता है कि किस बस का इस्तेमाल करना है। जिससे यूजर सुझाए गए रूट को जारी रख सकते हैं। हालांकि किसी भी अन्य पेटेंट की तरह, यह देखना बाकी है कि क्या एपल इस आइडिया को उत्पाद के रूप में इसका प्रॉडक्शन कब शुरू करती है। यदि कुछ भी हो, तो कंपनी एपल मैप्स में इसके इंटीग्रेशन के लिए राइड देने वाली सर्विस के साथ मिलकर काम कर सकती है। आखिरकार यूजर्स को अपने आईफोन पर मूल एप्लिकेशन के जरिए राइड का ऑर्डर करते समय, अपने टैक्सी को पहचानने का एक आसान तरीका प्रदान कर सकती है।

पेट्रोल कार बनाम सीएनजी कार, दोनों में किसे चुनें? जानें पूरी डिटेल्स

एनटीवी

ग्रीन फ्यूल सॉल्यूशंस (हरित ईंधन समाधानों) पर बढ़ते फोकस के साथ, पूरे भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच बढ़ रही है। साथ ही, इलेक्ट्रिक वाहनों की काफी ऊंची कीमतें कई कार खरीदारों को अन्य ऑप्शंस की ओर ले जा रही हैं और ऐसे में सीएनजी की चर्चा होती है। पिछले कुछ वर्षों में देश भर में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस या सीएनजी से चलने वाली कारों की मांग और बिक्री में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

सीएनजी कारों की इतनी ज्यादा मांग और बिक्री कई कारकों से प्रेरित है। सीएनजी पेट्रोल या डीजल की तुलना में काफी सस्ती है। साथ ही, यह काफी बेहतर ईंधन दक्षता (माइलेज) देती है। एक और दिलचस्प बात यह है कि सीएनजी से चलने वाली कारें आमतौर पर पेट्रोल-सीएनजी कंबिनेशन के साथ आती हैं, जिससे वाहन पेट्रोल और सीएनजी दोनों पर चल सकता है। इसका मतलब यह है कि जब अपफ्रंट कॉस्ट (अग्रिम लागत) की बात आती है तो सीएनजी-ईंधन वाली कारें इलेक्ट्रिक वाहनों की तुलना में सस्ती होती हैं। साथ ही वे ओनरशिप की काफी कम लागत की पेशकश करती हैं।

नई कार खरीदने वालों के लिए यह एक आम उलझन है कि वे सिर्फ पेट्रोल इंजन वाली कार खरीदें या पेट्रोल-सीएनजी कार। इस निर्णय लेने में आपकी मदद के लिए यहां हमको इस बारे में डिटेल में बता रहे हैं। सिर्फ-पेट्रोल कारें बनाम पेट्रोल-सीएनजी कारें

पेट्रोल की कीमत आमतौर पर सीएनजी से काफी ज्यादा होती है। इसकी वजह से सिर्फ पेट्रोल पर चलने वाली कारों की ओनरशिप की लागत या चलाने की लागत ज्यादा हो जाती है। सिर्फ पेट्रोल कारों की अग्रिम लागत पेट्रोल-सीएनजी मॉडल की तुलना में कम है। सिर्फ पेट्रोल कारों की रखरखाव लागत पेट्रोल-सीएनजी मॉडल की तुलना में कम है। बड़ी संख्या में पेट्रोल ईंधन भरने वाले स्टेशनों की उपलब्धता पेट्रोल इंजन वाली कारों के लिए एक फायदा है। जब पेट्रोल-सीएनजी कारों की बात आती है, तो वे सिर्फ-पेट्रोल मॉडल की तुलना में कम चलने की लागत प्रदान करते हैं। इसके पीछे कारण यह है कि ड्राइवर कार को पेट्रोल के बजाय सीएनजी मोड में चलाना चुन सकता है, जो ज्यादा माइलेज सुनिश्चित करता है। हालांकि, पेट्रोल-सीएनजी मॉडल की अग्रिम लागत उनके सिर्फ-पेट्रोल समकक्षों की तुलना में थोड़ी ज्यादा है। जब रखरखाव की बात आती है, तो पेट्रोल-सीएनजी मॉडल के लिए लागत ज्यादा होती है। क्योंकि ये वाहन पेट्रोल और सीएनजी पावरट्रेन सिस्टम दोनों को मिलाकर ज्यादा जटिल टेक्नोलॉजी के साथ आते हैं। सीएनजी रीफिलिंग स्टेशनों की उपलब्धता की कमी पेट्रोल-सीएनजी कारों के मालिकों के सामने एक समस्या है।

आपकी कार में लग रही है जंग, तो इन जरूरी टिप्स को आजमाकर दूर करें टेंशन

एनटीवी

जंग एक आम समस्या है जिससे कई कार मालिक जूझते हैं। जंग न सिर्फ कार को देखने में भद्दा बना देती है। बल्कि यह वाहन की बॉडी और फ्रेम पर लगे मेटल्स के हिस्सों को भी काफी नुकसान पहुंचा सकती है। भारत जैसे देश में, जहां ज्यादातर इलाकों में वातावरण में नमी का स्तर काफी ज्यादा है। जंग लगने का खतरा बहुत वास्तविक है और वाहन मालिकों के लिए बहुत ज्यादा तनावपूर्ण हो सकता है।

जंग मूल रूप से कोरोजन (संक्षारण) का एक रूप है। जो तब होता है जब लोहा और ऑक्सीजन पानी या नमी के संपर्क में आते हैं। यह एक लाल-भूरे रंग की कोटिंग है जो मेटल की सतह पर बनती है। जंग मेटल को कमजोर कर देती है और आखिरकार उसे डिसइंटीग्रेट (विघटित) कर देती है। कार में जंग आमतौर पर उसी केमिकल रिएक्शन के कारण होती है जो किसी अन्य मेटल की वस्तु में होती है। कारें आमतौर पर सड़क के नमक, एसिड, हाई ह्यूमिडिटी (उच्च आर्द्रता), पानी आदि सहित विभिन्न पर्यावरणीय कारकों के संपर्क में आती हैं। इससे कारों में जंग लगने का खतरा रहता है।

हालांकि कार में जंग लगने का खतरा बहुत वास्तविक है, लेकिन जंग लगने से रोकने के कई तरीके हैं। यहां हम आपको कुछ अहम टिप्स बता रहे हैं जिससे आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जंग कार के मेटल पैनलों से दूर रहे।

कार को साफ और सूखा रखें

कार में जंग लगने से बचाने के लिए पहला कदम वाहन को साफ और सूखा रखना है। गंदगी और जमी हुई मैल नमी को रोक सकती है। और यह जंग का कारण बन सकती है और मेटल के हिस्सों में तेजी से फैल सकती है। कार को नियमित रूप से धोने और उसे सूखा रखने से जंग लगने और फैलने से रोका जा सकता है।

कार को धोने के बाद उसे अच्छी तरह सुखाना सुनिश्चित करें। यह किसी भी नमी को कार की बॉडी के कोने-कोने में रुकने से रोकेगा। कार को प्रभावी ढंग से सुखाने के लिए माइक्रोफाइबर तौलिया का इस्तेमाल करें। शरीर के निचले हिस्से की प्रेशर वाशिंग काफी अहम है। यह सुनिश्चित करेगा कि कोनों और दरारों में नमक और कीचड़ जमा न हो।

खरोंच या डेंट को तुरंत ठीक करें

आपकी कार की बॉडी पर खरोंचें और डेंट जंग के अहम कार बन सकते हैं। यदि खरोंच या गड्ढा मेटल को खुला छोड़ देता है, तो नमी अंदर जा सकती है और जंग बन सकती है। इसलिए, अगर कार पर कोई खरोंच और डेंट है, तो जंग लगने से बचाने के लिए उन्हें तुरंत ठीक कराना जरूरी है। छोटी खरोंचों या डेंट को टच-अप पेंट किट का इस्तेमाल करके ठीक किया जा सकता है। जबकि बड़ी खरोंचों और डेंट को ठीक करने के लिए पेशेवर मदद की जरूरत होती है।

रबर फर्श मैट का इस्तेमाल करें

हमारे जूते केबिन में जो कीचड़ ले जाते हैं वह पिघलकर कालीन में समा जाने पर जंग का कारण बन सकता है।

यदि इसमें नमक और अन्य रसायन भरे हों तो यह मेटल के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, अपनी कार के कालीन को सूखा और साफ रखने के लिए हमेशा रबर फ्लोर मैट का इस्तेमाल करें।

कार को ढक कर रखें

जंग को फैलने से रोकने के लिए कार को ढककर रखना एक असरदार तरीका है। यदि आप कार को गैरेज तक नहीं ले जा पाते हैं, तो अपनी कार को हानिकारक नेचुरल एलिमेंट्स से बचाने के लिए कार कवर का इस्तेमाल करने पर विचार करें। एक कार कवर वाहन को बारिश, बर्फ और अन्य मौसम की स्थिति से बचा सकता है जो जंग लगने का कारण बन सकता है। सुनिश्चित करें कि आप ऐसा कार कवर चुनें जो वाहन पर ठीक से फिट हो। एक ढीला कवर से नमी अंदर जा सकती है। जबकि एक टाइट कवर वाहन के बॉडी को नुकसान पहुंचा सकता है।

आखिर दिल्ली में क्यों बंद हो गयी ... Embassy

भारत में अफगानिस्तान के दूतावास ने भारत सरकार की ओर से लगातार चुनौतियां आने का दावा करते हुए अपना काम-काज स्थायी रूप से बंद करने की घोषणा कर दी है। हम आपको याद दिला दें कि अफगानिस्तान के दूतावास ने 30 सितंबर को घोषणा की थी कि वह एक अक्टूबर से अपना काम-काज बंद रहा है। उस समय मिशन ने भारत सरकार से समर्थन नहीं मिलने, अफगानिस्तान के हितों को पूरा करने में अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने और कर्मियों एवं संसाधनों की कमी के कारण यह कदम उठाए जाने की बात कही थी। अब दूतावास ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वह भारत सरकार की ओर से लगातार आ रहीं चुनौतियों के कारण नयी दिल्ली स्थित अपने राजनयिक मिशन को 23 नवंबर से स्थायी रूप से बंद करने की, खेद के साथ घोषणा करता है। बयान में कहा गया, यह निर्णय दूतावास द्वारा 30 सितंबर 2023 को परिचालन बंद करने के बाद लिया गया है।" बयान में कहा गया है कि वह कदम इस उम्मीद में उठाया गया था कि नयी दिल्ली स्थित अफगानिस्तान के दूतावास का काम सामान्य रूप से जारी रखने के लिए भारत सरकार के रुख में अनुकूल बदलाव आएगा। अफगान दूतावास ने कहा कि आठ सप्ताह के इंतजार के बावजूद राजनयिकों के लिए वीजा की अवधि में विस्तार और भारत सरकार के व्यवहार में बदलाव के उद्देश्यों को दुर्भाग्य से पूरा नहीं किया जा सका। बयान में कहा गया है, तालिबान और भारत सरकार दोनों की ओर से नियंत्रण त्यागने के लगातार दबाव को देखते हुए दूतावास को एक कठिन विकल्प चुनना पड़ा। मिशन ने कहा कि इस समय भारत में अफगान गणराज्य का कोई राजनयिक नहीं है। उसने कहा कि अफगानिस्तान इस्लामी गणराज्य के दूतावास में सेवाएं देने वाले कर्मी अन्य देशों में सुरक्षित पहुंच गए हैं। बयान में कहा गया है कि भारत में अब केवल तालिबान से जुड़े राजनयिक हैं, जो अपनी नियमित ऑनलाइन बैठकों में भाग लेते दिखते हैं। मिशन ने कहा कि अफगान गणराज्य के राजनयिकों ने मिशन को पूरी तरह से भारत सरकार को सौंप दिया है। मिशन ने कहा, अब मिशन का भाग्य तय करना भारत सरकार के हाथ में है कि उसे बंद रखना है या इसे तालिबान राजनयिकों को सौंपने की संभावना समेत अन्य विकल्पों पर विचार करना है।" अफगान मिशन ने कहा कि अफगानिस्तान इस्लामी गणराज्य द्वारा नियुक्त राजनयिकों की जिम्मेदारी आधिकारिक तौर पर समाप्त हो गई है। बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान के मिशन का दुर्भाग्यपूर्ण अंत भारत में अफगान गणराज्य की मौजूदगी का समापन है। बयान में कहा गया है, ऐतिहासिक घटनाओं और वर्तमान परिस्थितियों पर गहनता से विचार करने के बाद हम इस निर्णय पर पहुंचे है। हम पिछले 22 वर्ष में अफगानिस्तान को समर्थन और सहायता देने के लिए भारत के लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। दूतावास ने यह भी कहा कि कुछ लोग इस कदम को निष्ठा बदलकर तालिबान के वफादार बनने वाले राजनयिकों की कथित संलिप्तता वाले आंतरिक संघर्ष के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन वह इस बात पर जोर देता है कि यह निर्णय हितों और नीति में व्यापक बदलाव का परिणाम है। मिशन ने कहा, भारत में अफगान नागरिकों ने हमारे मिशन के कार्यकाल के दौरान जो समर्थन दिया, उसके लिए हम उनके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। हमने सीमित संसाधनों एवं ताकत तथा काबुल में वैध सरकार की अनुपस्थिति के बावजूद उनकी बेहतरी के लिए अथक प्रयास किया है। बयान में कहा गया कि दुर्भाग्य से, तालिबान द्वारा नियुक्त एवं संबद्ध राजनयिकों की उपस्थिति और काम को उचित ठहराने के लिए हमारी छवि खराब करने और राजनयिक प्रयासों में बाधा डालने के प्रयास किए गए हैं। हम आपको बता दें कि भारत में अफगानिस्तानी दूतावास का नेतृत्व राजदूत फरीद मामुंदजई ने किया। मामुंदजई को अफगानिस्तान में पूर्ववर्ती अशरफ गनी सरकार ने नियुक्त किया था और अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने के बाद भी वह अफगान राजदूत के रूप में काम कर रहे थे। तालिबान द्वारा अप्रैल-मई में मामुंदजई की जगह मिशन का नेतृत्व करने के लिए अस्थायी राजदूत की नियुक्ति की खबरें आई थीं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि तालिबान सिर्फ अफगानिस्तान में ही सत्ता संघर्ष में नहीं उलझा हुआ है बल्कि सत्ता से जुड़े हर प्रतिष्ठान पर कब्जे की यह लड़ाई अब विदेशों में स्थित दूतावासों तक भी जा पहुँची है। हम आपको बता दें कि कुछ समय पहले तालिबान की ओर से एक अधिकारी ने दावा किया था कि दिल्ली के लिए नये राजदूत की नियुक्ति की गयी है लेकिन अफगानिस्तान की पूर्व सरकार द्वारा नियुक्त अफगानी राजदूत ने इस दावे को फर्जी बताया था। इस तरह की खबरें थीं कि विदेशों में अपना संपर्क ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने के लिए तालिबान शासन राजदूतों की नियुक्ति कर रहा है लेकिन उसके समक्ष दिक्कत यह है कि भारत समेत तमाम देशों ने तालिबान शासन को मान्यता ही नहीं दी है।

हम खो गए हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

लोग पहले भी गुमशुदा होते थे, लेकिन व्हाट्सपिए जमाने में गुमशुदिए अपनी बुलंदियों को छू रहे हैं। अब तो पुलिस थानों में गुमशुदियों की तलाश वाली फाइलें कचरे के डिब्बे को चाटती हुई नजर आती हैं। पुलिस वालों को भी लगता है कि गुम हो जाना यह तो राजकाज हो चला है। यहाँ तो हर कोई गुमशुदा है। कोई अपने लक्ष्यों से तो कोई अपने दायित्वों से। गुमशुदगी तो नाम कमाने का तरीका हो गया है। लोग कहीं अपने नेता को भूल न जाएँ इसके लिए उसी नेता के दो-चार चेले-चपाटे चप्पे-चप्पे पर उनकी गुमशुदगी का पोस्टर लगाकर उन्हें लाइमलाइट से दूर होने नहीं देते। गुमशुदगी की सबसे अधिक तस्वीरें बच्चों की दिखाई देती हैं। किसी न किसी व्हाट्सप समूह में कोई न कोई खोया रहता है। गुमशुदगी का रास्ता परोपकार से होकर गुजरता है। यकीन न हो तो उस जान पहचान वाले बंदे से ही पूछ लो जो चॉकलेट के नाम पर कुछ ऐसा खिला देता है जिससे बच्चा गच्चा खाकर उसकी गोदी में गिर जाता है। आए दिन अपने कहने वाले पराए बनने की कोई कसर नहीं छोड़ते। खोने वालों के भी तीन प्रकार होते हैं झ एक गुमशुदा, दो गुमशुदी और तीन गुमशुदिए। गुमशुदा व्याकरण की दृष्टि से पुल्लिंग होने का सूचक है, जबकि गुमशुदी स्त्रीलिंग और गुमशुदिए का संबंध लिंग से न होकर गुम होने के संदेह का सूचक है। अध्ययनों से पता चला है कि गुमशुदा होना भी एक तरह का व्यापार है। इसमें बिना किसी लागत के खूब उगाही की जा सकती है। उदाहरण के लिए कोई हाथ-पैर की चोट का नाटक करने वाला या करने वाली सड़क किनारे कराहने की नौटंकी करते हुए आने जाने वाले का ध्यान आकृष्ट करते हैं। जब देखते हैं कि कोई मालदार आदमी उसके पास आकर उसका हालचाल पूछकर उसे अस्पताल ले जाता है तो वे ऑस्कर जिताऊ परफारमेंस करते हुए मालदार का माल हड़प लेते हैं। आजकल गुमशुदियों की सहायता करना किसी खतरे से कम नहीं है। अब देखिए न एक घायल गुमशुदी को एक मालदार साहब अपनी कार में पास के अस्पताल ले जाते हैं। अस्पताल जाकर पता चलता है कि वह गुमशदी नहीं बल्कि ढोंग कर रही है। वह तुरंत फोन करवाकर अपने चाचा, मामा या फिर किसी ऐसे बंदे को बुला लेती है ।

समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं गुरू नानक के उपदेश

लेखक : योगेश कुमार गोयल

उसी ओर सिक्के पर देवनागरी व अंग्रेजी में श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व लिखा गया। गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ था किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा।

प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरू नानक जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष 27 नवम्बर को यह पर्व पूरे जोश और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सिखों के प्रथम गुरू गुरू नानक जी की जयंती को प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। इस बार गुरू नानक जी का 554वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। पाखण्डों के घोर विरोधी रहे गुरू नानक देव की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना और बा आडम्बरों से दूर रखना था। गुरू नानक जयंती के अवसर पर उनके जीवन, आदर्शों तथा उनकी दी हुई शिक्षाओं का स्मरण किया जाता है। इस दिन धर्म गुरू और समाज के सम्माननीय लोग गुरू नानक की शिक्षाओं और संदेशों को दोहराते हैं ताकि लोगों के बीच उनके पवित्र विचारों को फिर से ताजा किया जा सके। सितम्बर 2019 में 550वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में नेपाल द्वारा सौ, एक हजार तथा ढ़ाई हजार रुपये के तीन स्मारक सिक्कों का सेट जारी किया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा भी गुरू जी के 550वें प्रकाश पर्व पर 50 रुपये का एक सिक्का जारी किया गया था। कोलकाता टकसाल द्वारा 550वें प्रकाशोत्सव पर 12 नवम्बर 2019 को 44 मिलीमीटर गोलाई वाला 35 ग्राम वजनी 550 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया गया था, जिसमें 50 फीसदी चांदी, 40 फीसदी तांबा और पांच-पांच फीसदी निकल व जिंक का मिश्रण है। सिक्के के एक ओर गुरूद्वारा श्री बेर साहिब का चित्र उकेरा गया और उसी ओर सिक्के पर देवनागरी व अंग्रेजी में श्री गुरू नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व लिखा गया। गुरू नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ था किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरू नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बा आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया। एक पिता एकस के हम बारिक नामक उनका सिद्धांत समाज में ऊंच-नीच और अमीर-गरीब के भेद को मिटाता है। 554वें प्रकाश पर्व के विशेष अवसर पर गुरू नानक से जुड़ी कुछ ऐसी घटनाओं और किस्सों का उल्लेख करना अनिवार्य हो जाता है, जो उनकी महानता और चमत्कारिक शक्तियों को स्पष्ट परिलक्षित करती हैं। गुरू नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं? लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किसे पानी दे रहे हो? गुरू नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूं। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है? गुरू नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरू जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखलाएं ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके। गुरू नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनकी वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गई। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं।

क्यों नहीं अभिभावकों को सरकारी स्कूलों पर भरोसा

लेखिका : प्रियंका सौरभ

इसके लिए उन्हें ट्यूशन और अन्य फीस पर काफी अधिक खर्च करना पड़े। बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने के लिए परिवारों द्वारा बताये गए दो सबसे प्रमुख कारण है - सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता के प्रति असंतोष और पास में कोई सरकारी माध्यमिक विद्यालय का न होना। विद्यालय भी अपर्याप्त बुनियादी सुविधाओं या इसकी खराब गुणवत्ता से ग्रस्त हैं। हालांकि स्कूल भवन, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन खेल के मैदानों, कंप्यूटरों और रैंप के मामले में स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।

हालिया अध्ययन ने पुष्टि की है कि शिक्षा की खराब गुणवत्ता के कारण माता-पिता को सरकारी स्कूलों पर भरोसा नहीं है और वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाना पसंद करते हैं, भले ही इसके लिए उन्हें ट्यूशन और अन्य फीस पर काफी अधिक खर्च करना पड़े। आज देश भर के सरकारी स्कूल गरीबों और अशिक्षितों के बच्चों का सहारा बन गए, जहां उन्हें नौकरशाही और शिक्षक संघों की दया पर रहना पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप इन स्कूलों के लिए स्थापित मानकों-पाठ्यपुस्पुतकों की गुणवत्ता और प्रासंगिकता, विद्यार्थियों की उपलब्धियों का निरीक्षण का विकास थम गया। आज नब्बे प्रतिशत से ज्यादा सार्वजर्वनिक खर्च की राशि भारतीय स्कूलों में अध्यापकों के वेतन और प्रशासन पर ही खर्च होती है। फिर भी विश्व में बिना अनुमति अवकाश लेने वाले अध्यापकों की संख्या भारत में सबसे अधिक है। हमारे स्कूलों में अध्यापक आते ही नहीं हैं और चार में से एक सरकारी स्कूल में रोज कोई न कोई अध्यापक छुट्टी पर होता है। आईआईएम अहमदाबाद के शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र के एक हालिया अध्ययन ने पुष्टि की है कि शिक्षा की खराब गुणवत्ता के कारण माता-पिता को सरकारी स्कूलों पर भरोसा नहीं है और वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाना पसंद करते हैं, भले ही इसके लिए उन्हें ट्यूशन और अन्य फीस पर काफी अधिक खर्च करना पड़े। बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने के लिए परिवारों द्वारा बताये गए दो सबसे प्रमुख कारण है - सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता के प्रति असंतोष और पास में कोई सरकारी माध्यमिक विद्यालय का न होना। विद्यालय भी अपर्याप्त बुनियादी सुविधाओं या इसकी खराब गुणवत्ता से ग्रस्त हैं। हालांकि स्कूल भवन, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन खेल के मैदानों, कंप्यूटरों और रैंप के मामले में स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। इस वजह से सरकारी स्कूल गरीबों और अशिक्षितों के बच्चों का सहारा बन गए, जहां उन्हें नौकरशाही और शिक्षक संघों की दया पर रहना पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप इन स्कूलों के लिए स्थापित मानकों-पाठ्यपुस्पुतकों की गुणवत्ता और प्रासंगिकता, विद्यार्थियों की उपलब्धियों का निरीक्षण का विकास थम गया। आज नब्बे प्रतिशत से ज्यादा सार्वजर्वनिक खर्च की राशि भारतीय स्कूलों में अध्यापकों के वेतन और प्रशासन पर ही खर्च होती है। फिर भी विश्व में बिना अनुमति अवकाश लेने वाले अध्यापकों की संख्या भारत में सबसे अधिक है। हमारे स्कूलों में अध्यापक आते ही नहीं हैं और चार में से एक सरकारी स्कूल में रोज कोई न कोई अध्यापक छुट्टी पर होता है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2022 के अनुसार, बच्चों की सरल अंग्रेजी वाक्यों को पढ़ने की क्षमता कक्षा श के बच्चों के लिए 2016 के स्तर पर बनी हुई है (2016 में 24।7% से 2022 में 24।5% तक)। 2022 में 68।9% स्कूलों में खेल का मैदान है, लड़कियों के लिए उपयोग योग्य शौचालयों वाले स्कूलों में 2022 में केवल 68।4% की वृद्धि हुई है, पीने के पानी की उपलब्धता वाले स्कूलों का अनुपात सिर्फ 76% है। यूनेस्को की 2021 की भारत के लिए शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट के अनुसारः कोई शिक्षक नहीं, कोई कक्षा नहीं, भारत में लगभग 1।1 लाख स्कूल एकल-शिक्षक संस्थाएँ हैं। 2022 में शिक्षकों की औसत उपस्थिति 87।1% है और पिछले कई वर्षों से औसत छात्र उपस्थिति लगभग 72% बनी हुई है। सुधार के बावजूद, कुछ क्षेत्रों में लिंग असमानताएँ बनी हुई हैं। नामांकित न होने वाली 15-16 साल की लड़कियों के अनुपात में गिरावट जारी है, जो 2022 में 7।9% हो गई है। भारत में प्राथमिक स्तर की कक्षा (1-5) में स्कूलों में ड्रॉपआउट की कुल दर 1।5 प्रतिशत है, उच्च प्राथमिक कक्षा (6-8) में 3 प्रतिशत है। माध्यमिक स्तर की कक्षा (9-10) में 12 प्रतिशत के साथ उच्चतम स्थान है जो अभी भी एक बड़ी चुनौती है। 2022 में किसी न किसी रूप में प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में नामांकित 3-वर्षीय बच्चों का अनुपात 78।3% है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) को समय-समय पर संशोधित किया जाता है, लेकिन पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता को लेकर चिंताएं हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण 2021-22 पारंपरिक पाठ्यक्रमों की तुलना में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों में कम नामांकन का संकेत देता है। कोविड-19 महामारी ने डिजिटल विभाजन को उजागर किया, जिसमें कई छात्रों के पास ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच नहीं थी। नीति आयोग 2023 के अनुसार, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों का स्कोर अधिक है, जबकि बिहार और झारखंड जैसे राज्यों का स्कोर कम है

डिजिटल प्रौद्योगिकियाँ प्रिंट मीडिया की लोकप्रियता को कम कर रही हैं

लेखक : विजय गर्ग

इसे अन्यथा ही प्रकट करेगा। प्रिंट मीडिया के धुंधलके के कारण वास्तव में हाल के वर्षों में मीडिया के उपभोग पैटर्न में एक बड़ा बदलाव आया है, इसकी इंटरैक्टिव प्रकृति और तेज गति वाले संचार के कारण, अधिक से अधिक युवा पीढ़ी केवल डिजिटल मीडिया को चुन रही है। छोटे समय के बाजार खिलाड़ी भी ऑनलाइन मीडिया में विज्ञापन देना पसंद करते हैं क्योंकि उन्हें प्रिंट की तुलना में यह लागत प्रभावी लगता है। प्रिंट मीपिता चलता वाले

प्रिंट मीडिया की घटती लोकप्रियता पिछले कुछ समय से बहस का विषय रही है। युवाओं से पूछें कि आखिरी बार उन्होंने अखबार या कोई छपी हुई खबर कब देखी थी, तो वे उन दिनों की ओर इशारा करेंगे जो एक या दो साल पीछे हैं। डिजिटल मीडिया का बढ़ता प्रभाव इसके उपयोगकताओं की बढ़ती संख्या और इसकी खपत दर से काफी स्पष्ट है। इसे विशेष रूप से पश्चिम में कई समाचार घरों के बंद होने के साथ पढ़ें, जबकि लगभग सभी प्रिंट समाचार फर्मों ने नए उपभोक्ताओं को पूरा करने के लिए अपने ऑनलाइन/डिजिटल संस्करण शुरू कर दिए हैं। क्या ये कारक प्रिंट मीडिया के पूरी तरह बंद होने की ओर इशारा कर रहे हैं? प्रश्न का उत्तर पाने के लिए, सबसे पहले, हमें यह देखना होगा कि प्रिंट मीडिया में क्या शामिल है। मुद्रित प्रारूप में सभी प्रकार का जनसंचार या सूचना का प्रसार, चाहे वह समाचार, विचार या विज्ञापन हो, उसे प्रिंट मीडिया बनाता है। यह मुख्य रूप से कई लोगों के संदेहपूर्ण दृष्टिकोण का उत्तर प्रस्तुत करता है। प्रिंट के मृत्युलेख को लिखना आसान है, लेकिन इसके विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन इसे अन्यथा ही प्रकट करेगा। प्रिंट मीडिया के धुंधलके के कारण वास्तव में हाल के वर्षों में मीडिया के उपभोग पैटर्न में एक बड़ा बदलाव आया है, इसकी इंटरैक्टिव प्रकृति और तेज गति वाले संचार के कारण, अधिक से अधिक युवा पीढ़ी केवल डिजिटल मीडिया को चुन रही है। छोटे समय के बाजार खिलाड़ी भी ऑनलाइन मीडिया में विज्ञापन देना पसंद करते हैं क्योंकि उन्हें प्रिंट की तुलना में यह लागत प्रभावी लगता है। प्रिंट मीडिया की कमियों को गिनाने से कई कारकों का पता चलता है, जिनमें विशिष्ट दर्शकों को पूरा करने में असमर्थता (विशिष्ट समूहों को संबोधित करने वाले कई डिजिटल प्लेटफार्मों के विपरीत), समाचार और सूचना के वितरण में देरी और दृष्टिबाधित लोगों तक इसकी सीमित पहुंच शामिल है। यह याद किया जा सकता है कि विभिन्न डिजिटल मीडिया के ऑडियो संस्करण और अन्य पहुंच विकल्प उन लोगों के लिए एक वास्तविक वरदान हैं, जिन्हें दृष्टि संबंधी चुनौती है या साक्षरता का स्तर कम है। प्रिंट मीडिया भी दर्शकों के साथ एकतरफा संचार करता है और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा पैदा करता है। इसके अलावा, प्रिंट में विज्ञापनों की कीमत बहुत अधिक होती है जिससे छोटे और मध्यम उद्योगों और व्यावसायिक फर्मों के लिए उनमें जगह पाना लगभग असंभव हो जाता है। यह उन्हें उनके डिजिटल समकक्ष की तुलना में कम किफायती भी बनाता है। क्योंकि उनमें कोई गेटकीपिंग रणनीति नहीं होती है। डिजिटल दुनिया में कुछ भी और हर चीज खबर बन जाती है और उपभोक्ता को पता ही नहीं चलता कि आखिर खबर क्या बनती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अत्यधिक एक्सपोजर उपयोगकताओं के बीच 'डिजिटल थकान' पैदा करता है। यह भी समझा जाता है कि जानकारी पढ़ने के दौरान प्रिंट आपके दिमाग को थोड़ा भटकने देता है, जबकि डिजिटल दुनिया में ध्यान भटकाने वाली चीजें काफी प्रचलित हैं। लंबे समय तक स्क्रॉल करना और पढ़ना भी एक नीरस काम बन जाता है। प्रिंट का प्रमुख लाभ डिजिटल की तुलना में महंगा होने पर भी अपने विज्ञापन स्थानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को आकर्षित करने की क्षमता के रूप में सामने आता है। भले ही आप डिजिटल प्रारूप में पुस्तकों और पत्रिकाओं की एक पूरी लाइब्रेरी ले जाने में सक्षम हैं, लेकिन प्रिंट की सुस्पष्टता इसे कई लोगों के लिए एक पसंदीदा माध्यम बनाती है। डिजिटल के बजाय इसकी पसंद का एक अन्य कारण डिजिटल मीडिया की बैकलिट स्क्रीन की तुलना में आंखों पर कम दबाव होना है। विकासशील और अविकसित क्षेत्रों में बढ़ती साक्षरता भी प्रिंट के लंबे समय तक फलने-फूलने का एक कारण है। विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट

नए एनपीएस नियम के तहत मिले एसएलडब्ल्यू ऑप्शन से ग्राहकों को क्या-क्या होगा फायदा?

एनटीवी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय पेंशन योजना को अंग्रेजी में नेशनल पेंशन स्कीम कहा जाता है, जिसका संक्षिप्त नाम एनपीएस (ठढर) है। यह रिटायरमेंट के लिए एक स्वैच्छिक और दीर्घावधि (लॉन्गटर्म) निवेश योजना है। यह पेंशन कार्यक्रम सशस्त्र बलों को छोड़कर सार्वजनिक, निजी और असंगठित क्षेत्रों के कर्मचारियों के लिए भी खुला है। वैसे लोग जो अपने अवकाश ग्रहण योजना (रिटायरमेंट प्लानिंग) के दौरान ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, उन लोगों के लिए एनपीएस स्कीम एक अच्छा विकल्प है। क्योंकि सालाना आधार पर एनपीएस ने 9 से 12 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। हालांकि, नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत अब पैसे निकलने को लेकर कुछ अहम बदलाव हुए हैं। बताया जाता है कि पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण ने व्यवस्थित एकमुश्त निकासी की सुविधा शुरू की है। जिसके दृष्टिगत यह जानना महत्वपूर्ण हो चुका है कि इस नए एनपीएस नियम से एनपीएस ग्राहकों को क्या फायदा होगा और इसका लाभ किसे मिलेगा। बता दें कि पीएफआरडीए ने एनपीएस़ से पैसे निकासी को लेकर जो कुछ बदलाव किया है, उसके बाद एनपीएस ग्राहक अपनी पसंदीदा रकम एक नियमित अंतराल पर व्यवस्थित रूप से निकाल सकते हैं। वहीं, ग्राहकों को अवगत कराने के लिए, नियामक ने केंद्रीय रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसियों (सीआरए) से उन्हें नवीनतम परिवर्तनों से अवगत रखने का आग्रह किया है। बताया जाता है कि पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी (ढऋफऊअ) ने सिस्टेमेटिक लंपसम निकासी (रछह) की सुविधा दी है। जिसके बाद एनपीएस ग्राहकों को अपने सामान्य निकासी के समय अपनी पसंद के अनुसार 75 वर्ष की आयु तक की अवधि के लिए मासिक, तिमाही, छमाही या सालाना आधार पर एसएलडब्ल्यू (रछह) के माध्यम से अपने पेंशन कोष का 60 प्रतिशत तक निकाल सकते हैं। इसलिए अब यह जानते हैं कि इस नए एनपीएस नियम से एनपीएस ग्राहकों को कैसे फायदा होगा।

क्या है एसएलडब्ल्यू (रछह) और किन्हें मिलेगा इसका लाभ?

गौरतलब है कि म्यूचुअल फंड में जैसे सिस्टेमेटिक निकासी प्लान (रहढ) होता है, ठीक वही सुविधा अब एनपीएस के ग्राहकों को मिली है, जिससे एनपीएस ग्राहक अपनी पसंदीदा रकम एक नियमित अंतराल पर व्यवस्थित रूप से निकाल सकते हैं। क्योंकि एनपीएस ग्राहकों को रिटायरमेंट के बाद की पूरी अवधि के लिए एन्यूटी से बंधे रहने के बजाय अब यह तय करने की अनुमति मिल जाएगी कि वे अपने पैसों को कितना और कब निकालना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि एसएलडब्ल्यू (रछह) सेवानिवृत्त लोगों को समय-समय पर नकदी प्रवाह प्राप्त करने, उनकी सेवानिवृत्ति के बाद की आय बढ़ाने और नियमित खर्चों को कवर करने की अनुमति देता है। इस निकासी विधि को एक बार चुना जा सकता है, जिसका भुगतान एनपीएस ग्राहक की पसंद के अनुसार किया जाता है। एसएलडब्ल्यू (रछह) उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए एक आकर्षक ऑप्शन है जो अपनी रिटायरमेंट के वर्षों के दौरान लगातार आय का स्रोत चाहते हैं।

मौजूदा नियम क्या हैं और अब क्या-क्या बदल गया है? इसे चुनने के क्या-क्या फायदे होंगे?

यहां पर यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि निवेशकों को वर्तमान में परिपक्वता पर अपने एनपीएस कोष का केवल 60 प्रतिशत धनराशि ही एकमुश्त निकालने की अनुमति है, जबकि शेष 40 प्रतिशत कोष का उपयोग वार्षिकी के रूप में किया जाना है। उदाहरणतया, यदि किसी ग्राहक ने एनपीएस कोष के रूप में 50 लाख जमा किए हैं, तो 20 लाख (40 प्रतिशत) को वार्षिकी के रूप में निकाला जाना चाहिए, जबकि शेष 30 लाख (60 प्रतिशत) को एकमुश्त माना जाता है। हालांकि नए नियमों के लागू होने के साथ ही अब एकमुश्त घटक-वार्षिकी के साथ-किश्तों में भी निकाला जा सकता है जो मासिक, त्रैमासिक, अर्ध-वार्षिक और वार्षिक हो सकता है। उपरोक्त मामले में, 30 लाख का एकमुश्त घटक 20 लाख की वार्षिक राशि के साथ किश्तों में भी निकाला जा सकता है। इस प्रकार व्यवस्थित निकासी का विकल्प चुनने का लाभ नियमित आधार पर नकदी प्रवाह को बढ़ाना है। इसलिए, वार्षिक भुगतान के लिए कॉर्पस के 40 प्रतिशत पर निर्भर रहने के बजाय, ग्राहक अब नियमित आय उत्पन्न करने के लिए 60 प्रतिशत के अपने एकमुश्त घटक का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहक सेवानिवृत्ति के समय मंदी के बाजार के प्रतिकूल प्रभाव को रोक सकते हैं। एकमुश्त मोड चुनने पर, उन्हें कम रिटर्न के लिए समझौता करना पड़ता है। लेकिन अगर किसी को समय-समय पर भुगतान में देरी होती है, तो वह खुद को मंदी के बाजार के प्रभाव से बचा सकता है। वहीं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 60 प्रतिशत एकमुश्त आय पूरी तरह से कर मुक्त है, जबकि वार्षिक आय निवेशक के कर स्लैब के अनुसार कर योग्य है।

उधर, संशोधित नियमों के अनुसार, एनपीएस परिपक्वता राशि का 60 प्रतिशत तक ग्राहक 75 वर्ष की आयु तक किश्तों में निकाला जा सकता है। एनपीएस भुगतान मासिक, त्रैमासिक, अर्ध-वार्षिक और वार्षिक हो सकता है।

पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने एक व्यवस्थित एकमुश्त निकासी सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। इससे ग्राहकों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में अपने निवेश से एक बार में राशि निकालने के बजाय नियमित भुगतान प्राप्त करने की अनुमति मिलेगी।

सरकार ने दी बड़ी सुविधा, अब सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ आप भी करा सकेंगे FIR

- **यदि कोई सोशल मीडिया कंपनी आईटी नियमों का उल्लंघन करती है तो देश का कोई भी नागरिक इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा सकेगा।**

एनटीवी, नई दिल्ली

यदि आपको भी इस बात को लेकर शिकायत थी कि आप सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ एफआईआर नहीं करा सकते थे तो आपकी इस समस्या को सरकार ने दूर कर दिया है। यदि कोई सोशल मीडिया कंपनी आईटी नियमों का उल्लंघन करती है तो देश का कोई भी नागरिक इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा सकेगा। सरकार जल्द ही यह सुविधा देने जा ही है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक नया प्लेटफॉर्म तैयार करेगा जहां से यूजर्स सोशल मीडिया प्लेटफार्मों द्वारा आईटी नियमों के उल्लंघन के बारे में शिकायत कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आईटी नियमों के उल्लंघन करने पर कोई रहम नहीं की जाएगी। नई साइट पर यदि कोई शिकायत करता है और उस सोर्स की भी जानकारी देता है जहां से सबसे पहले कंटेंट शेयर किया गया तो सोर्स के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को इसके लिए सात दिनों का समय दिया गया है ताकि वे आईटी नियमों के तहत अपने प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल की शर्तों को अपडेट कर सकें।

संक्षिप्त खबरें

इंस्टाग्राम से शॉपिंग करना पड़ सकता है महंगा

इन दिनों ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर धडल्ले से स्कैम चल रहे हैं। लोग ऑनलाइन चीज ऑर्डर करते हैं और फिर उसके बाद उन्हें पता चलता है कि वो स्कैम का शिकार हुए हैं। दरअसल, ऐसा ही कुछ दिल्ली की रहने वाली एक युवती के साथ हुआ। जिसने इंस्टाग्राम से एक साड़ी मंगवाई लेकिन जब उसके द्वारा मंगवाया गया प्रोडक्ट डिलिवर हुआ तो उसमें बेहद ही पुराने और डेट एक्सपायर हो चुके मैक के फाउंडेशन की दो बोतलें आईं।

दरअसल, हुआ यूं कि दिल्ली की रहने वाली सीमा ने कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम से 'शिफ़्टो' नाम की कंपनी से एक ब्लैक रंग की साड़ी ऑर्डर की, जिसकी कीमत 999 रुपये थी। लेकिन जब सीमा को अपना ऑर्डर किया प्रोडक्ट मिला तो उसमें साड़ी नहीं बल्कि मैक कंपनी के दो फाउंडेशन की बोतल मिली जो काफी पुरानी थी। वहीं इसके बाद जब सीमा ने कंपनी की वेबसाइट देखना चाहा तो उसे उससे संबंधित कोई वेबसाइट नहीं मिली। साथ ही जब उसने दिए गए नंबर पर फोन किया तो भी उसे सिर्फ निराशा हाथ लगी।

लेकिन इस दौरान सीमा को इस कंपनी से जुड़ी कई शिकायतें भी मिली। लोगों ने कंपनी के खिलाफ कंस्यूमर कोर्ट की वेबसाइट पर शिकायत दर्ज की हैं।

कैसे बच सकते हैं ऑनलाइन शॉपिंग स्कैम से

अगर आप भी इस तरह के स्कैम से बचना चाहते हैं तो, सबसे पहले इंस्टाग्राम की किसी भी वेबसाइट पर क्लिक ना करें और ना ही शॉपिंग करें।

अगर आपको कुछ पसंद भी आता है तो पहले उसके बारे में पूरी छानबीन करें।

क्योंकि, इंस्टाग्राम और जितने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं वहां कई फर्जी वेबसाइट और ऐड देखने को मिल जाएंगे।

टीवीएस मोटर अगले एक साल में इलेक्ट्रिक दोपहिया खंड का विस्तार करने की बना रही है योजना

- **उन्होंने कहा कि बाजार में मजबूत मांग के साथ, कंपनी ने इलेक्ट्रिक स्कूटर आईक्यूब की उत्पादन क्षमता को प्रति माह 25,000 इकाई तक बढ़ा दिया है।**

एनटीवी, नई दिल्ली

टीवीएस मोटर कंपनी का लक्ष्य अगले एक साल में अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया खंड का विस्तार करना है क्योंकि कंपनी कई कीमतों पर ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करना चाहती है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। चेन्नई स्थित कंपनी के इस खंड में अभी दो ई-स्कूटर हैं। वह भविष्य में अपने इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की भी योजना बना रही है। यह एक इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर भी विकसित कर रहा है। टीवीएस मोटर कंपनी के निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के. एन. राधाकृष्णन ने कहा, हम अगले साल पांच से 25 किलोवाट की रेंज में उत्पादों की एक श्रृंखला पेश करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में मजबूत मांग के साथ, कंपनी ने इलेक्ट्रिक स्कूटर आईक्यूब की उत्पादन क्षमता को प्रति माह 25,000 इकाई तक बढ़ा दिया है। आगे इसे और बढ़ाने की योजना है। टीवीएस ने मौजूदा तिमाही में अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस एक्स की बिक्री शुरू करने की योजना बनाई है। राधाकृष्णन ने कहा कि टीवीएस एक्स घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में अहम भूमिका निभाएगा। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर के बारे में पूछे जाने पर राधाकृष्णन ने कहा, वह तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा, कंपनी थ्री-व्हीलर खंड पर ध्यान केंद्रित कर रही है क्योंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हमें सुधार की जरूरत है।

एफपीआई का रुख बदला, नवंबर में 378 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश

- **आने वाले समय में ईएम (उभरते बाजारों) में जोखिम उठाने की क्षमता में सुधार तथा अमेरिका में जोखिम-मुक्त प्रतिफल में गिरावट से एफपीआई भारत की ओर आकर्षित होंगे।**

एनटीवी, नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में भारतीय शेयरों में 378 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इसका मुख्य कारण अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने अक्टूबर में 24,548 करोड़ रुपये और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपये मूल्य की भारतीय इक्विटी की बिकवाली की थी। इससे पहले एफपीआई मार्च से अगस्त तक पिछले छह महीनों में लगातार भारतीय शेयर खरीद रहे थे। इस अवधि में 1.74 लाख करोड़ रुपये की खरीद हुई। कुल मिलाकर 2023 के लिए संचयी रुझान अच्छा बना हुआ है। इस वित्त वर्ष में अभी तक एफपीआई ने 96,340 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यस सिक्योरिटीज इंडिया में इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज रिसर्च के रणनीतिकार हितेश जैन ने कहा, हमारा मानना है कि आने वाले समय में ईएम (उभरते बाजारों) में जोखिम उठाने की क्षमता में सुधार तथा अमेरिका में जोखिम-मुक्त प्रतिफल में गिरावट से एफपीआई भारत की ओर आकर्षित होंगे।

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (24 नवंबर तक) भारतीय शेयरों में 378.2 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। विदेशी निवेशक इस महीने चार दिन लिवाल रहे और शुक्रवार को 2,625 करोड़ रुपये की बड़ी खरीदारी की। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी. के. विजयकुमार ने कहा, अक्टूबर के मध्य में अमेरिका में मुद्रास्फीति में उम्मीद से बेहतर गिरावट ने बाजार को यह मानने का विश्वास दिला दिया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दरों में बढ़ोतरी कर दी है।

इसके परिणाम स्वरूप अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी से गिरावट आई है और 10-वर्षीय बेंचमार्क बॉन्ड प्रतिफल अक्टूबर मध्य में पांच प्रतिशत से घटकर अब 4.40 प्रतिशत हो गया। मॉर्निंगस्टार इंवेस्टमेंट एडवाइजर इंडिया के सह निदेशक एवं शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, अनिश्चित वैश्विक कारक भारत के शेयर बाजारों में विदेशी निवेश की दिशा तय कर रहे हैं।

सितंबर में एफपीआई ने बिकवाली की सिलसिला शुरू किया था। इ सके पीछे अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, बॉन्ड प्रतिफल में तेजी, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और इजराइल-हमास संघर्ष से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की अहम भूमिका रही थी।

इस साल अब तक अक्टूबर में घरेलू इक्विटी बाजार में एफपीआई का कुल निवेश 6,381 करोड़ रुपये और ऋण बाजार में 12,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

शीर्ष 10 में चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 65,671 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

- **रिलायंस इंडस्ट्रीज का बीते सप्ताह मूल्यांकन 26,014.36 करोड़ रुपये बढ़कर 16,19,907.39 करोड़ रुपये हो गया। इस तरह इसने मूल्यांकन में सर्वाधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई।**

एनटीवी, नई दिल्ली

देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से चार का सम्मिलित रूप से बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 65,671.35 करोड़ रुपये बढ़ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। बीएसई के मानक सूचकांक सेंसेक्स में पिछले सप्ताह 175.31 अंक यानी 0.26 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। इस तेजी का लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल को मिला। दूसरी तरफ शीर्ष 10 कंपनियों में शामिल टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस को अपने बाजार मूल्यांकन में गिरावट का सामना करना पड़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बीते सप्ताह मूल्यांकन 26,014.36 करोड़ रुपये बढ़कर 16,19,907.39 करोड़ रुपये हो गया। इस तरह इसने मूल्यांकन में सर्वाधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,490.9 करोड़ रुपये बढ़कर 11,62,706.71 करोड़ रुपये हो गया। भारती एयरटेल का पूंजीकरण 14,135.21 करोड़ रुपये बढ़कर 5,46,720.84 करोड़ रुपये हो गया। वहीं आईसीआईसीआई का पूंजीकरण 5,030.88 करोड़ रुपये बढ़कर 6,51,285.29 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

हालांकि, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 16,484.03 करोड़ रुपये घटकर 12,65,153.60 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 12,202.87 करोड़ रुपये गिरकर 4,33,966.53 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 3,406.91 करोड़ रुपये गिरकर 5,90,910.45 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का 2,543.51 करोड़ रुपये गिरावट के साथ 5,00,046.01 करोड़ रुपये हो गया।

आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 1,808.36 करोड़ रुपये घटकर 5,46,000.07 करोड़ रुपये रह गया, जबकि इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 290.53 करोड़ रुपये घटकर 5,96,391.22 करोड़ रुपये रह गया। इसके साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज ने देश की सबसे मूल्यवान कंपनी का तमगा बरकरार रखा है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

शादी का मौसम में इस वर्ष 4.47 लाख करोड़ का कारोबार होने की संभावना

- **इस वर्ष बंपर बिजनेस की संभावना गौरतलब है कि इस वर्ष दिवाली के मौके पर देशभर में व्यापारियों को इजाफा काफी अधिक हुआ था।**

एनटीवी, नई दिल्ली

भारत में त्योहारों का सीजन शुरू हो गया है। देवउठनी एकादशी के साथ ही शादियां होनी शुरू हो जाएंगी। इस वर्ष 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक के बीच इस वर्ष लगभग 38 लाख शादियां होनी है। महज एक महीने से भी कम समय में इतनी अधिक शादियों का आयोजन किया जाएगा। इतनी संख्या में होने वाली शादियों को लेकर बाजार में भी तैयारी पूरी हो चुकी है। व्यापारियों के समूह कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष लगभग शादियों का सीजन 4.74 लाख करोड़ रुपये का बिजनेस लेकर आएगा। बीते वर्ष वेडिंग सीजन में लगभग 32 लाख से अधिक शादियां हुई थी। इस दौरान 3.75 लाख करोड़ रुपये का कारोबार भारत में हुआ था। इस वर्ष बंपर बिजनेस की संभावना गौरतलब है कि इस वर्ष दिवाली के मौके पर देशभर में व्यापारियों को इजाफा काफी अधिक हुआ था। दिवाली के बाद अब 23 नवंबर से देशभर में शादियों का सीजन शुरू होने जा रहा है। इस वर्ष पूरे देश में कुल 38 लाख शादियां होनी है। इन शादियों के जरिए देश भर में 4.74 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की संभावना है। दिल्ली में होनी है चार लाख से अधिक शादियां कैट के अनुसार सिर्फ राजधानी दिल्ली में ही इस शादियों के सीजन में चार लाख से अधिक शादियां होनी है। इस सीजन में कुल 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार हो सकता है। इसस पहले बीते वर्ष शादियों के सीजन में एक लाख करोड़ से अधिक का बिजनेस हुआ था, जो अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अच्छा था। कैट ने कहा कि शादियों का सीजन कल देवउठान एकादशी 23 नवंबर से शुरू हो रहा है, जो 15 दिसंबर तक चलेगा। नवंबर में विवाह की तारीखें 23,24,27,28,29 हैं, जबकि दिसंबर में विवाह की तारीखें 3,4,7,8,9 और 15 हैं। खंडेलवाल ने कहा कि सिर्फ दिल्ली में इस सीजन में चार लाख शादियां होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2040 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने को तैयार

- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा परमाणु ऊर्जा व अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि एकेडी जैसी कुछ विदेशी एजेंसियों ने अनुमान लगाया है**

एनटीवी, तिरुवनंतपुरम

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2040 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने साथ ही कहा कि इससे वैज्ञानिकों को भी बेहतर कामकाजी माहौल मिलेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा परमाणु ऊर्जा व अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि एकेडी जैसी कुछ विदेशी एजेंसियों ने अनुमान लगाया है कि यह आंकड़ा 2040 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार भी पहुंच सकता है। जितेंद्र सिंह ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, वर्तमान में हमारी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था बहुत प्रभावशाली नहीं है। अभी यह करीब 80 लाख अमेरिकी डॉलर ही है। हालांकि, हम बेहद तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं अकेले विदेशी उपग्रह प्रक्षेपण में...हमने यूरोपीय उपग्रहों के प्रक्षेपण से करीब 23 से 24 करोड़ यूरो और अमेरिकी उपग्रहों के प्रक्षेपण से करीब 17 से 18 अमेरिकी डॉलर कमाए हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रॉकेट प्रक्षेपण की 60वीं वर्षगांठ समारोह का यहां शनिवार को उद्घाटन करने के बाद सिंह ने कहा कि अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना के साथ उद्योग में एक महत्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित की जा सकती है। इस तथ्य से सहमत होते हुए कि भारत को अपने अंतरिक्ष क्षेत्र में संसाधन की

- **मंत्री ने कहा कि 2025 तक भारत एक व्यक्ति को अंतरिक्ष में भेजेगा और उसे सुरक्षित वापस लाएगा।**

कमी का सामना करना पड़ा उन्होंने कहा हमारे पास मौजूद वैज्ञानिक कौशल से हम इससे निपट सकते हैं। मंत्री ने कहा कि 2025 तक भारत एक व्यक्ति को अंतरिक्ष में भेजेगा और उसे सुरक्षित वापस लाएगा। उन्होंने कहा, इसके दो से तीन महीने पहले हमारे पास अंतरिक्ष में जाने वाली एक महिला रोबोट होगी, जो अंतरिक्ष यात्री की सभी गतिविधियों की नकल कर सकती है।

डीपफेक के खतरे को लेकर सरकार सतर्क, कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ हुई बैठक

डीपफेक के बढ़ रहे खतरों के देखते हुए सरकार और बड़ी इंटरनेट कंपनियों की एक बैठक हुई है जहां उन्हें अपनी उपयोग शर्तों को अपडेट करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। सरकार ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर डीपफेक खतरे को देखने के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त करेगी और जब भी नागरिकों को ऑनलाइन फर्जी कंटेंट दिखेगी तो एफआईआर दर्ज करने में सहायता करेगी। सरकार ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर डीपफेक खतरे को देखने के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त करेगी। डीपफेक के लगातर बाद रहे खतरों के देखते हुए सरकार ने फेसबुक और यूट्यूब समेत सोशल मीडिया कंपनियों को चेतावनी जारी की है। सरकार ने सोशल मीडिया साइट से कहा है कि को यूजर को रिमाइंडर भेजे कि डीपफेक और अश्लीलता या गलत सूचना फैलाने वाली कंटेंट को पोस्ट करना बैन है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने दो सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि यह चेतावनी आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एक बंद कमरे में हुई बैठक में दी है।

एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई के मेन बोर्ड में शामिल होने के लिए बीएसई ने जारी की नई गाइडलाइन

- **आपको बता दें कि बीएसई ने नई गाइडलाइन के अलावा एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के लिए पात्रता मानदंड में भी बदलाव किया है।**

एनटीवी, नई दिल्ली

बीएसई ने उन एसएमई के लिए कुछ दिशानिर्देश जारी किए हैं जो बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म को छोड़कर बीएसई मुख्य बोर्ड में शामिल होना चाहते हैं। मेन बोर्ड का मतलब बीएसई की एसएमई प्लेटफॉर्म को छोड़कर 100 या 300 कंपनियों की सूची में शामिल होना है। जानिए नियमों में क्या किए गए बदलाव और कब से लागू होगी नई गाइडलाइन। पढ़िए पूरी खबर। एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई के मेन बोर्ड में शामिल होने के लिए बीएसई ने जारी की नई गाइडलाइन, 7 प्वाइंट में समझिए नए नियम बीएसई ने नई गाइडलाइन के अलावा एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के लिए पात्रता मानदंड में भी बदलाव किया है। वैसे स्मॉल और मीडियम इंटरप्राइजेज जो बीएसई की एसएमईप्लेटफॉर्म से निकलकर बीएसई की मेनबोर्ड में शामिल होना चाहते हैं उन उद्यमों के लिए बीएसई ने कुछ गाइडलाइन जारी किया है। मेन बोर्ड का मतलब बीएसई की टॉप 100 या टॉप 300 कंपनियों की लिस्ट में शामिल होना है। कब से लागू होगी ये गाइडलाइन? बीएसई ने कहा कि ये नई गाइडलाइन 1 जनवरी 2024 से लागू हो जाएगी। आपको बता दें कि बीएसई ने नई गाइडलाइन के अलावा एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के लिए पात्रता मानदंड में भी बदलाव किया है। क्या है नई गाइडलाइन? बीएसई की गाइडलाइन के तहत आवेदक के पास पिछले दो वित्तीय वर्षों में कम से कम 15 करोड़ रुपये का नेट वर्थ होना चाहिए। आवेदनकर्ता एसएमई उद्यमों के पास कम से कम तीन साल के लिए एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होना जरूरी है। बीएसई की मेनबोर्ड में ट्रांसफर होने से पहले आवेदनकर्ता के पास 250 पब्लिक शेयरहोल्डर होने चाहिए। एसएमई आवेदनकर्ता को कम से कम तीन वित्तीय वर्षों में से किसी दो के लिए सकारात्मक परिचालन लाभ होना चाहिए और एक्सचेंज में माइग्रेशन आवेदन करने के तत्काल वित्तीय वर्ष में प्रॉफिट आफटर टैक्स (पैट) पॉजिटिव होना चाहिए। आवेदक की चुकता इक्विटी पूंजी 10 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए और एमकैप कम से कम 25 करोड़ रुपये होना चाहिए। आवेदक कंपनी को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा स्वीकार की गई कोई भी समापन याचिका प्राप्त नहीं होनी चाहिए और पिछले तीन साल में फर्म के खिलाफ किसी भी स्टॉक एक्सचेंज द्वारा एसएमई और उसके प्रमोटरों के खिलाफ व्यापार को निलंबित करने जैसी कोई महत्वपूर्ण नियामक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। आवेदक कंपनी, उसके प्रमोटरों के साथ-साथ उसकी सहायक कंपनी को बाजार नियामक सेबी द्वारा प्रतिबंधित नहीं होना चाहिए। अब तक कितनी कंपनियां मेनबोर्ड में हुई ट्रांसफर? आंकड़ों के मुताबिक अब तक, 464 कंपनियां बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुई है जिनमें से 181 कंपनियां मेनबोर्ड में ट्रांसफर हुई है।

जनजातीय इलाकों में कांग्रेस को कम्युनिस्टों का साथ, पुराने कांग्रेसियों बीआरएस के साथ

एनटीवी, हैदराबाद

रेस्तरां मालिक नासिर कहते हैं, यहां हर बार वोट एक ही ओर जाते हैं। प्रदेश के कई मुस्लिम संगठनों ने खम्मम क्षेत्र में कांग्रेस को ही वोट देने की अपील की है। तेलंगाना में बहुत ज्यादा पहचान न रखने वाले शहरी इलाके भी काफी समृद्ध हैं। खम्मम भी कुछ ऐसा ही शहर है। यहां कई बड़े मॉल और शॉपिंग सेंटर हैं। कई आईटी कंपनियों के दफ्तर भी हैं। दूसरी तरफ, ग्रामीण इलाके पिछड़े हैं। यहां जनजातीय जनसंख्या काफी होने से कई सीटें रिजर्व भी हैं। एक दौर में कम्युनिस्ट पार्टियों का दखल अच्छा रहा था, इस बार कांग्रेस भाकपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। खम्मम के दो हिस्से करके खम्मम और भद्री कोथागुडम जिले बनाए गए थे। दोनों में पांच-पांच सीटें हैं। नितिन यादव की रिपोर्ट कोथेगुडम में प्रियंका गांधी का रोड शो चल रहा था। गांवों की ओर बढ़ते हुए कांग्रेस की मजबूत पकड़ का एहसास होता है। पार्टियों के कार्यकर्ता ढोल-बाजे के साथ वोट मांग रहे थे। गांव लक्ष्मीपुरम के युवा वेंकेटश्वर कहते हैं, यह क्षेत्र कांग्रेस के साथ रहा है। यहां कम्युनिस्ट मजबूत होने से कांग्रेस ने यह सीट भाकपा को दी है। यहां भाकपा से संभाशिव राव मैदान में हैं। उनको आंध्र के पूर्व सीएम जे वेंगल राव के बेटे और निर्दलीय प्रत्याशी जे वेंकटराव टक्कर दे रहे हैं। कांग्रेस से पिछली बार जीते वी वेंकटेश्वर राव इस बार बीआरएस से हैं। चार लोगों का आत्मदाह कर लेना भी एक मुद्दा कांग्रेस से बीआरएस में शामिल हुए विधायक वी वेंकेटश्वर राव के बेटे वी राघव पर उत्पीड़न का आरोप लगाकर एक परिवार ने आत्मदाह कर लिया था। स्थानीय पत्रकार बताते हैं कि प्रॉपर्टी के एक विवाद में विधायक के बेटे पर यह आरोप लगा कि उसने पीड़ित की पत्नी से जुड़ी अनैतिक मांग की थी। इसी बात से परेशान होकर खुद, दो बेटियों और पत्नी के साथ जिंदा जला लिया। इस प्रकरण का वीडियो भी खूब वायरल हुआ। इस क्षेत्र में ही नहीं आसपास के इलाके में भी इस प्रकरण की गूंज सुनाई दी। अधिकांश जनजातीय इलाकों में भी बदलाव का दौर लंबाड़ा या गौंड सहित दूसरी जनजातीय इलाके के गांव लक्ष्मीपुरम के विजय कहते हैं कि गांव के कुछ पुराने लोगों को छोड़ दें तो अब सभी नए तौर-तरीकों के साथ जी रहे हैं। गांव के युवाओं में पढ़ाई की ओर भी रुझान है। छोटे-छोटे गांवों में गरीबी दिखाई देती है। गांवों में स्थानीय भाषा में गीत गाकर और महिलाओं के पारंपरिक नृत्य के साथ भी प्रचार होता दिखा। दिग्गजों ने डाल दिया है डेरा सभी पार्टियों के दिग्गजों ने अब तेलंगाना में डेरा डाल दिया है। 30 को चुनाव है और 28 को प्रचार खत्म हो जाएगा। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ सीएम केसीआर और बेटी कविता व बेटा केटीआर सभाएं कर रहे हैं। मुस्लिमों की संख्या भी अच्छी खासी इस क्षेत्र में मुस्लिम प्रत्याशियों की संख्या तो न के बराबर ही है लेकिन ये वोटर चुनावी नतीजों को खूब प्रभावित करते हैं। यहां 15 से 25 फीसदी तक मुस्लिम हैं। पिछले चुनाव में कांग्रेस की जीत में इनका योगदान रहा था। इस बार भी कुछ ऐसा ही नजर आ रहा है। रेस्तरां मालिक नासिर कहते हैं, यहां हर बार वोट एक ही ओर जाते हैं। हालांकि बीआरएस प्रत्याशी और मंत्री ए अजय कुमार की तारीफ करते हैं।

प्रदेश के कई मुस्लिम संगठनों ने खम्मम क्षेत्र में कांग्रेस को ही वोट देने की अपील की है। पूर्व मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी के काम पर मुहर कांग्रेस की मजबूत पकड़ को स्थानीय पत्रकार पूर्व मुख्यमंत्री के राजशेखर रेड्डी के कामों की बदौलत मानते हैं। उनका कहना है संयुक्त आंध्र के मुख्यमंत्री होने के दौरान के राजशेखर रेड्डी ने इस क्षेत्र में विकास के कई काम कराए। पत्रकार शेख कदीर का कहना है कि रेड्डी ने मुस्लिमों को आरक्षण के साथ ही जनजातीय गांवों में खूब काम किया। साथ ही युवाओं की वर्तमान बीआरएस सरकार से रोजगार को लेकर भी नाराजगी है।

केरल सरकार ने कुलपति को तलब कर मांगी जांच रिपोर्ट

एनटीवी, तिरुवनंतपुरम

शिक्षा मंत्री बिंदू ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो और इससे बचने के लिए उचित दिशानिर्देश जारी किए हैं। हम मामले में सभी एहतियात बरतेंगे। विश्वविद्यालय में हर साल कार्यक्रम होते हैं। ऐसी दुखद घटना पहली बार हुई है। कोच्चि विश्वविद्यालय में मची भगदड़ में चार छात्रों की मौत के मामले में केरल सरकार एक्शन मोड में आ गई है। केरल के उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू ने विभाग के प्रमुख सचिव और विश्वविद्यालय के कुलपति को जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। बता दें, भगदड़ शनिवार शाम को विश्विद्यालय में आयोजित एक कॉन्सर्ट में मची थी। भगदड़ में 60 से अधिक छात्र घायल हुए हैं। जांच रिपोर्ट सौंपने के आदेश दे दिए शिक्षा मंत्री बिंदू ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो और इससे बचने के लिए उचित दिशानिर्देश जारी किए हैं। हम मामले में सभी एहतियात बरतेंगे। विश्वविद्यालय में हर साल कार्यक्रम होते हैं। यह सामान्य है। कार्यक्रम में ऐसी दुखद घटना पहली बार हुई है। हम कारणों का पता लगा रहे हैं कि आखिर कैसे भगदड़ मची, जिससे भविष्य में सावधानी बरती जा सके। मामले की जांच की जा रही है। मैंने पहले ही प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा और विश्वविद्यालय के कुलपति को अपनी रिपोर्ट सौंपने के आदेश दे दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। मामले में करीब से नजर है वहीं, केरल के कानून मंत्री पी राजीव ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह चौंकाने वाली घटना है। हमने चार लोगों को खो दिया। केरल में ऐसा पहली बार हुआ है। यह हैरान करता है। हम मौके पर पहुंचे। सभी घायलों से बात की। दो छात्रों को दूसरे अस्पताल भिजवाया गया है। हम सभी छात्रों का उत्तम इलाज करा रहे हैं। सरकार ने उचित कदम उठाए हैं। पुलिस ने भी जानकारी मिलते ही फुर्ती दिखाई और बचाव अभियान शुरू किया। स्वास्थ्य मंत्री भी मामले में करीब से नजर रख रहे हैं। जरूरतमंदों को निजी अस्पतालों में भी भेजने की तैयारी की जा रही है। 16 लोगों की अस्पताल से छुट्टी स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, 60 घायलों में से 16 घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दो लोग अस्पताल में भर्ती हैं। मृतकों के शवों को आज पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया जाएगा, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। केरल एडीजीपी एम आर अजित कुमार का कहना है कि घटना एक असाधारण दुर्घटना है। इलाके में अचानक बारिश हो गई थी। बारिश से बचने की वजह से छात्रों में भगदड़ मच गई।

संक्षिप्त खबरें

आईपीएस अफसर ने ठग को बताया था हाईकोर्ट का जज, सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी अग्रिम जमानत

जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि वह सामने आए तथ्यों पर अपनी आंखें नहीं मूंद सकती। सुप्रीम कोर्ट ने उस आईपीएस अफसर को अग्रिम जमानत देने से इन्कार कर दिया, जिसने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच को प्रभावित करने के लिए एक ठग को हाईकोर्ट जज के तौर पर पेश किया था। अपने हालिया फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि पूर्व एसपी आदित्य कुमार पर लगे आरोपों की प्रकृति काफी गंभीर है, इसलिए उन्हें राहत नहीं दी जा सकती। जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि वह सामने आए तथ्यों पर अपनी आंखें नहीं मूंद सकती। मामला न केवल न्यायिक कार्यवाही में पवित्रता बनाए रखने से संबंधित है, बल्कि पूरी व्यवस्था में जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिहाज से भी काफी मायने रखता है। हमारा दृढ़ मत है कि आगे निदेर्शों की जरूरत है। साथ ही शीर्ष अदालत ने पटना हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को सीलबंद लिफाफे में यह जानकारी देने को कहा कि हाईकोर्ट ने इस मामले में अब तक क्या कार्रवाई की है। व्हाट्सएप पर चीफ जस्टिस का फोटो लगा कॉल कराई आईपीएस आदित्य कुमार के खिलाफ पिछले साल अक्तूबर में मामला दर्ज किया गया था। उन पर आरोप है कि अपने खिलाफ चल रही अनुशासनात्मक कार्यवाही रद्द कराने के लिए सह-आरोपियों संग मिलकर साजिश रची। सह-अभियुक्तों ने उनके संज्ञान में एक व्हाट्सएप अकाउंट बनाया, जिसमें पटना हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस, जो अब सुप्रीम कोर्ट जज हैं, की तस्वीर लगाई गई। फिर जांच में फैसला अपने पक्ष में कराने के लिए इसी व्हाट्सएप नंबर से बिहार के तत्कालीन पुलिस महानिदेशक को कॉल और मैसेज किए गए। पटना हाईकोर्ट पहले ही कर चुकी है इन्कार पटना हाईकोर्ट इसी साल मार्च में पूर्व एसपी को अग्रिम जमानत देने से इन्कार कर चुकी है।

यूएस समेत दुनिया भर में शाकाहारियों की संख्या में इजाफा, मांसाहारी भोजन से पर्यावरण-स्वास्थ्य को हानि

एनटीवी, नई दिल्ली

अध्ययनकताओं के अनुसार, इसमें पाई जाने वाली संतृप्त वसा की मात्रा अधिक होती है। यह वसा मानव स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं है। प्रमुख शोधकर्ता रोज ने कहा कि हम सभी शोधकर्ता इस बात से आश्चर्यचकित थे कि मवेशियों के मांस की इतनी अधिक खपत के लिए कुछ प्रतिशत लोग ही जिम्मेदार हैं। एक तरफ जहां केवल 12 फीसदी अमेरिकी (50 से 65 आयु के) ही देश में हर दिन खाए जाने वाले कुल बीफ का आधा हिस्सा खा जाते हैं, वहीं अमेरिका सहित दुनियाभर के देशों के युवाओं का रुझान शाकाहार की ओर बढ़ रहा है। यह बात एक अध्ययन में सामने आई है। ये अच्छे संकेत हैं, क्योंकि बीफ और मांसाहार पर्यावरण के साथ सेहत के लिए भी नुकसानदेह है। जर्नल न्यूट्रिएंट्स में प्रकाशित अध्ययन में सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के राष्ट्रीय स्वास्थ्य और पोषण परीक्षा सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसके अंतर्गत 24 घंटे के दौरान 10 हजार से अधिक वयस्कों के आहार पर नजर रखी गई। शोधकताओं का कहना है कि नवीनतम आहार दिशानिदेशों के अनुसार हर दिन यह मात्रा चार औंस होनी चाहिए। हर दिन 2,200 कैलोरी का सेवन करने का मतलब, मांस, मुर्गी और अंडे का एक साथ सेवन करना है। 29 वर्ष से कम और 66 वर्ष से अधिक आयु वालों के बड़ी मात्रा में बीफ खाने की संभावना कम थी। इससे पता चलता है कि युवा पीढ़ी और बुजुर्ग जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में अधिक रुचि ले रहे हैं। पर्यावरण को भी खतरा अध्ययन के मुताबिक, ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए बीफ उद्योग सबसे अधिक जिम्मेदार है। यह चिकन की तुलना में आठ से 10 गुना अधिक उत्सर्जन करता है और बीन्स की तुलना में 50 गुना अधिक उत्सर्जन करता है। दुनियाभर की खाद्य प्रणाली हर साल 17 अरब टन ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करती है। स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं मांसाहार अध्ययनकताओं ने पर्यावरण पर इसके असर को देखते हुए मवेशियों के मांस पर गौर किया। इसमें पाई जाने वाली संतृप्त वसा की मात्रा अधिक होती है। यह वसा मानव स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं है। प्रमुख शोधकर्ता रोज ने कहा कि हम सभी शोधकर्ता इस बात से आश्चर्यचकित थे कि मवेशियों के मांस की इतनी अधिक खपत के लिए कुछ प्रतिशत लोग ही जिम्मेदार हैं। चीन चिंता का विषय पर वहां भी बदलाव शोधकताओं के अनुसार, नाना प्रकार के जानवरों का मांस खाने के लिए चीन कुख्यात रहा है, लेकिन गोमांस, सूअर का मांस, भेड़-बकरी और मुर्गी पालन के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार लगातार मांस के प्रति सतर्क हो रहा है।

ऐसा इसलिए क्योंकि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने के कारण चीनी युवा शाकाहारी भोजन अपना रहे हैं। इस वजह से दुनिया की दूसरी सबसे अधिक आबादी वाले देश में शाकाहारी रेस्तरां तेजी से बढ़ रहे हैं। सिर्फ शंघाई में जहां 2012 में 49 शाकाहारी रेस्टोरेंट थे वे 2021 में बढ़कर 150 से अधिक हो गए।

ओडिशा दौरे पर रहेंगी राष्ट्रपति, मन की बात के बाद तेलंगाना में पीएम की चुनावी सभा

- प्रधानमंत्री के आज का ऐसा होगा कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 नवंबर रविवार को सुबह 11 मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

एनटीवी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 नवंबर रविवार को सुबह 11 मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे दोपहर दो बजे से 2.40 बजे तक एक चुनावी बैठक करेंगे। इसके लिए वे तूप्रान जाएंगे। इसके बाद दोपहर 3.30 बजे से 4.10 बजे तक प्रधानमंत्री निर्मल में एक बैठक को संबोधित करेंगे। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तेलंगाना में रहेंगे। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज ओडिशा का दौरा करेंगी।

बता दें, विधानसभा चुनाव के कारण प्रधानमंत्री आज और कल भी तेलंगाना में ही रहेंगे तो वहीं राष्ट्रपति मुर्मू भी आज और कल ओडिशा में रहेंगी।

प्रधानमंत्री आज मन की बात कार्यक्रम भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के आज का ऐसा होगा कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 नवंबर रविवार को सुबह 11 मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे दोपहर दो बजे से 2.40 बजे तक एक चुनावी बैठक करेंगे। इसके लिए वे तूप्रान जाएंगे। इसके बाद दोपहर 3.30 बजे से 4.10 बजे तक प्रधानमंत्री निर्मल में एक बैठक को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के कल का ऐसा है कार्यक्रम 27 नवंबर, सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी का महबूबाबाद में दोपहर 12 बजे से 12.40 बजे के बीच और करीमनगर विधानसभा क्षेत्र में दोपहर 2 बजे से 2.40 बजे तक एक चुनावी सभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है। यहां वे पार्टी उम्मीदवार बंडी संजय कुमार के लिए प्रचार करेंगे।

- अब जानिए, क्या है राष्ट्रपति का कार्यक्रम वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 26 से 27 नवंबर तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी।

इसके बाद शाम 5.30 बजे से 7 बजे तक वे हैदराबाद में रोड शो करेंगे और फिर नई दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। अब जानिए, क्या है राष्ट्रपति का कार्यक्रम वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 26 से 27 नवंबर तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति भवन ने बताया कि राष्ट्रपति 27 को पारादीप में बंदरगाह प्राधिकरण की ओर से आयोजित बोइता बंदना समारोह में भाग लेंगी और मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क का उद्घाटन करेंगी।

इसी के साथ ही वे बंदरगाह टाउनशिप के लिए एक नए जलाशय और जल उपचार संयंत्र की आधारशिला भी रखेंगी।

26/11 आतंकी हमले की 15वीं बरसी आज, इस्राइल ने लश्कर-ए-तैयबा पर लगाया प्रतिबंध; कही यह बात

एनटीवी, नई दिल्ली

मुंबई में 2008 को हुए आतंकी हमले की 15वीं बरसी आज है। देशभर में आतंकी हमले में मारे गए लोगों, शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई है। इसी बीच, इस्राइल ने आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को प्रतिबंध कर दिया और उसे आतंकी संगठन की सूची में डाल दिया। मुंबई में 2008 को हुए आतंकी हमले की 15वीं बरसी आज है। 26 नवंबर को आतंकियों ने समुद्री मार्ग से मुंबई में प्रवेश किया था। जिसके बाद मुंबई के कई स्थानों में आतंकियों ने खूनी खेल को अंजाम दिया। आतंकियों ने ताज होटल, ओबेरॉय होटल, नरीमन हाउस में यहूदी केंद्र और लियोपोल्ड कैफे समेत कई स्थानों को निशाना बनाया था इसी बीच, इस्राइल ने हमले की 15वीं बरसी को याद करते हुए लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठन घोषित किया। बता दें इस्राइल ने भारत के बिना अनुरोध के इस तरह की कार्रवाई की। इस्राइली दूतावास ने जारी अपने बयान में कहा, लश्कर ए तैयबा को आतंकी संगठन घोषित करने की सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई है। यह निर्णय बिना किसी अनुरोध के हमारे द्वारा स्वतंत्र रूप से लिया गया है। वहीं, भारत में इस्राइल के राजदूत नाओर गिलोन ने इस फैसले की सराहना की। उन्होंने अपने देश द्वारा लश्कर-ए-तैयबा पर प्रतिबंध को जायज ठहराया। मुंबई हमले के विरोध में संयुक्त राष्ट्र जिनेवा के सामने एक दिवसीय पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मानवाधिकार कार्यकर्ता और लेखक प्रियजीत देबसरकर ने कहा, संयुक्त राष्ट्र जिनेवा के सामने विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। हमने प्रदर्शनी के जरिए लोगों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया है। मुंबई में 15 वर्ष पहले हुए आतंकी हमले ने पूरे दुनिया को झकझोर दिया था। हर वर्ष आतंकी हमले में शहीद हुए सुरक्षा बलों और मारे गए लोगों को याद किया जाता है।

बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी ने संपादन करना को लिखा पत्र, कोविड के दौरान पीपीई किट खरीद में घोटाले का लगाया आरोप

एनटीवी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी पर जमकर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, कोविड महामारी के दौरान पीपीई किट को लेकर घोटाला हुआ था। मैंने ईडी समेत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई है। पश्चिम बंगाल में पीपीई किट की खरीद पर बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा और टीएमसी इस मुद्दे को लेकर आमने-सामने है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी पर जमकर हमला बोला है। सुवेंदु अधिकारी ने स्वास्थ्य मंत्रालय, आईटी, ईडी निदेशक को पत्र लिखा, जिसमें कोविड महामारी के दौरान पीपीआई किट की खरीद में घोटाले का आरोप लगाया गया है। सोशल मीडिया में पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने पीपीई किट की खरीद में अनियमितता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा, कोविड महामारी के दौरान पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग द्वारा पीपीई किट और अन्य चिकित्सा उपकरणों की खरीद में वित्तीय घोटाला किया गया। उन्होंने लिखा, कोविड महामारी के दौरान केंद्र सरकार ने राज्य को धनराशि दी थी। पोस्ट पर लिखते हुए उन्होंने कहा, मैंने ईडी, आयकर विभाग, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पत्र लिखकर वित्तीय घोटाले की शिकायत की थी। उन्होंने इस संबंध में जांच कराने की मांग की थी। साथ ही उन्होंने मुंबई में जन की आपूर्ति और ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना में कथित घोटाले के संबंध में एफआईआर का भी जिक्र किया। अधिकारी ने बताया कि ईडी जल्द ही इस मामले में उचित कार्रवाई कर सकता है।

तंबाकू से हर साल 13 लाख मौतें, स्वास्थ्य समूहों ने केंद्र सरकार से की कर बढ़ाने की मांग

- टाटा मेमोरियल अस्पताल में कैंसर सर्जन डॉ. पंकज चतुर्वेदी के मुताबिक, तंबाकू एक छिपी हुई महामारी है, जिससे हर साल 13 लाख भारतीयों की मौत हो रही है।

एनटीवी, नई दिल्ली

कोविड जैसी महामारी से तीन वर्ष में करीब 5 लाख लोगों की जान गई थी। यह देश के हित में है कि तंबाकू उत्पादों को युवाओं और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से दूर रखा जाए। सार्वजनिक स्वास्थ्य समूहों और चिकित्साकों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि 2024-25 के बजट में तंबाकू उत्पादों पर कर बढ़ाया जाए। वित्त मंत्रालय से की अपील में उन्होंने सिगरेट, बीड़ी और धुआं रहित तंबाकू पर स्वास्थ्य कर बढ़ाने की मांग भी की है। टाटा मेमोरियल अस्पताल में कैंसर सर्जन डॉ. पंकज चतुर्वेदी के मुताबिक, तंबाकू एक छिपी हुई महामारी है, जिससे हर साल 13 लाख भारतीयों की मौत हो रही है। कोविड जैसी महामारी से तीन वर्ष में करीब 5 लाख लोगों की जान गई थी। यह देश के हित में है कि तंबाकू उत्पादों को युवाओं और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से दूर रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक उत्पाद शुल्क में वृद्धि तंबाकू की खपत को नियंत्रित करने का किफायती और प्रभावी उपाय है। अध्ययन के मुताबिक 10 वर्षों में सिगरेट, बीड़ी और धुआं रहित तंबाकू उत्पाद तेजी से लोगों की पहुंच में आए हैं। भारत में तंबाकू उत्पादों पर कर डब्लयूएचओ की सिफारिशों से कम है। डब्ल्यूएचओ सभी तंबाकू उत्पादों पर कम से कम 75 फीसदी कर की सिफारिश करता है, जबकि भारत में सिगरेट पर कुल कर भार 49.3 फीसदी, बीड़ी पर 22 फीसदी और धुआं रहित तंबाकू पर 63 फीसदी है।

विज्ञान भवन में होगा भव्य कार्यक्रम, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ होंगे मुख्य अतिथि

एनटीवी, नई दिल्ली

भारत के संविधान की प्रस्तावना को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इसे अमेरिका के संविधान से प्रभावित माना जाता है। भारत के संविधान की प्रस्तावना यह कहती है कि संविधान की शक्ति सीधे तौर पर जनता में निहित है। भारत का संविधान देश का सर्वोच्च कानून है। भारतीय कानून संस्थान के सहयोग से कानून और न्याय मंत्रालय रविवार को राष्ट्रीय राजधानी के विज्ञान भवन में संविधान दिवस मनाएगा। 1949 में इसी दिन भारत की जनता ने संविधान अपनाया था। इस वर्ष समारोह के हिस्से के रूप में पांच तकनीकी सत्रों वाली एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि होंगे। क्या होता है संविधान, क्या है अहमियत सामान्य तौर पर, संविधान को नियमों और उपनियमों का एक ऐसा लिखित दस्तावेज कहा जाता है, जिसके आधार पर किसी देश की सरकार काम करती है। यह देश की राजनीतिक व्यवस्था का बुनियादी ढांचा निर्धारित करता है। हर देश का संविधान उस देश के आदर्शों, उद्देश्यों और मूल्यों का संचित प्रतिबिंब होता है। संविधान महज एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह समय के साथ लगातार विकसित होता रहता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना भारत के संविधान की प्रस्तावना को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इसे अमेरिका के संविधान से प्रभावित माना जाता है। भारत के संविधान की प्रस्तावना यह कहती है कि संविधान की शक्ति सीधे तौर पर जनता में निहित है। भारत का संविधान देश का सर्वोच्च कानून है। यह सरकार के मौलिक राजनीतिक सिद्धांतों, प्रक्रियाओं, प्रथाओं, अधिकारों, शक्तियों और कर्त्तव्यों का निर्धारण करता है।

दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान भारतीय संविधान दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है जो तत्त्वों और मूल भावना के नजरिए से अद्वितीय है। मूल रूप से भारतीय संविधान में कुल 395 अनुच्छेद (22 भागों में विभाजित) और आठ अनुसूचियां थीं, लेकिन विभिन्न संशोधनों के परिणामस्वरूप वर्तमान में इसमें कुल 448 अनुच्छेद (25 भागों में विभाजित) और 12 अनुसूचियां हैं। इसके साथ ही इसमें पांच परिशिष्ट भी जोड़े गए हैं, जो पहले नहीं थे।

संविधान में दिए गए हैं छह मौलिक अधिकार संविधान के तीसरे भाग में छह मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है। वस्तुतः मौलिक अधिकार का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक लोकतंत्र की भावना को प्रोत्साहन देना है।

यह एक प्रकार से कार्यपालिका और विधायिका के मनमाने कानूनों पर निरोधक की तरह कार्य करता है। मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में इन्हें न्यायालय के माध्यम से लागू किया जा सकता है। इसके अलावा भारतीय संविधान की धर्मनिरपेक्षता को भी इसकी प्रमुख विशेषता माना जाता है। धर्मनिरपेक्ष होने के कारण भारत में किसी एक धर्म को विशेष मान्यता नहीं दी गई है।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042